मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में चुनाव रिजल्ट आज घोषित किए जाएंगे। वोटों की गिनती सुबह 8 बजे शुरू होगी। इसमें सबसे पहले पोस्टल बैलेट के वोट गिने जाएंगे। इसके बाद ईवीएम के वोटों की गिनती की जाएगी।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः28 अंकः 208 दिनांकः 03-12-2023 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुबई में जलवायु सम्मेलन एछ्ऱ-28 बैठक के दौरान अपने इटली के समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी की जॉर्जिया मेलोनी के साथ ली गई एक सेल्फी वायरल हो गई। पीएम मोदी ने इस वायरल तस्वीर पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना चुनाव नतीजे : कौन मारेगा चौका, कौन होगा बोल्ड?

नई दिल्लीः मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में नई सरकार बनने वाली है। इन पांच राज्यों की 675 विधानसभा सीटों के लिए मतदान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। रविवार को सिर्फ चार राज्यों के 635 सीटों पर ही वोटों की गिनती होगी। मिजोरम के उम्मीदवारों के फैसला अब 4 दिसंबर को होगा। राजस्थान में विधानसभा की 200 सीटें हैं, मगर वहां कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के बाद 199 सीटों पर ही मतदान हुआ। एग्जिट पोल के नतीजों के अनुसार, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में बीजेपी और कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला है, जबकि राजस्थान में बीजेपी का पलड़ा भारी है। हिंदी प्रदेश के तीन राज्यों में 519 सीटों पर फैसला होना है। एग्जिट पोल्स के मुताबिक, 119 विधानसभा वाली तेलंगाना में कांग्रेस ने बढ़त ली है। निर्वाचन आयोग मतगणना की तैयारियां पूरी कर चुका है। वोटों की गिनती रविवार सुबह सात बजे शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलेट गिने जाएंगे। इसके बाद सभी पार्टियों के प्रतिनिधियों के सामने ईवीएम से मतगणना शुरू होगी।

लोगों की नजरें मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजों पर टिकी हैं। 17 नवंबर को मध्यप्रदेश की 230 सीटों पर वोटिंग हुई थी। सवाल यह है कि क्या कमलनाथ तीन साल पहले छीनी गई सत्ता दोबारा हासिल करेंगे या शिवराज सिंह चौहान की लाडली बहना उन्हें फिर से सीएम की कुर्सी सौंपेगी। विधानसभा चुनाव 2023 में मध्यप्रदेश की जनता ने 66 साल का रेकॉर्ड तोड़ दिया। श्ङ में इस बार रेकॉर्ड 76.22 प्रतिशत मतदान हुआ। मल्हारगढ़, जावद, जावरा, शाजापुर, आगर मालवा, शुजालपुर, कालापीपल और सोनकच्छ में 85 फीसदी से अधिक वोटिंग हुई। बंपर वोटिंग के बाद सरकार बदलने की चर्चा भी गरम रही।

30 नवंबर को आए एग्जिट पोल ने इशारा दिया कि मध्यप्रदेश में मामला एकतरफा नहीं है। कांग्रेस और बीजेपी के बीच कांटे की टक्कर है। ग्वालियर-चंबल संभाग की 34 सीटों के नतीजे 2018 की तरह नहीं होंगे। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को इस बेल्ट में एकतरफा जीत मिली थी। तब कांग्रेस को 26 और बीजेपी को सिर्फ सात सीटें मिली थीं। 2018 के चुनाव के बाद कांग्रेस ने पहले सरकार बनाई थी, मगर 19 महीने बाद ही ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के बाद सत्ता बदल गई थी। 2018 के विधानसभा चुनाव में भी दोनों पार्टियों के बीच कड़ी टक्कर हुई थी। तब कांग्रेस को 40.89 फीसदी वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 41 फीसदी वोट मिले थे। इस बार मालवा और निमाड़ में भी बीजेपी फायदा मिल सकता है। शिवराज सिंह चौहान, नरोत्तम मिश्रा, कमलनाथ, जीतू पटवारी, नरेंद्र सिंह तोमर, रीति पाठक, गणेश सिंह, कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद सिंह पटेल, राकेश सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते जैसे दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। मध्यप्रदेश के रिजल्ट तय करेंगे कि जीतेगा कौन? कमलनाथ या शिवराज सिंह चौहान।

200 सदस्यों वाली राजस्थान विधानसभा में बहुमत हासिल करने वाली पार्टी को 101 के मैजिक नंबर को हासिल करना है। श्रीगंगानगर जिले की श्रीकरणपुर के कांग्रेस प्रत्याशी गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के कारण 25 नवंबर को 199 सीटों पर मतदान हुआ। दो दशकों से राजस्थान में सीएम की कुर्सी बीजेपी और कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही है। कांग्रेस के दोनों नेताओं सचिन पायलट और अशोक गहलोत ने दावा किया है कि इस बार परंपरा बदलेगी। कांग्रेस सरकार में वापस लौटेगी। भारतीय जनता पार्टी को उम्मीद है कि परंपरा कायम रहेगी और राजस्थान में सरकार बदलेगी। यहां 25 नवंबर को वोट डाले गए थे। राजस्थान में भी बंपर वोटिंग हुई। राज्य में पहली बार 75.45 फीसदी मतदान हुआ, मगर लोगों की नजरें मतगणना के बाद आने वाले नतीजे पर टिकी हैं। राजस्थान में वोटिंग के बाद दस एजेंसियों ने एग्जिट पोल के आंकड़े जारी किए। इनमें सात ने बीजेपी को बहुमत मिलने का दावा किया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा की 90 सीटों पर कांग्रेस और बीजेपी के बीच ही मुकाबला है। 2018 में करीब 15 साल बाद कांग्रेस राज्य की सत्ता में लौटी। बीजेपी बिना सीएम के चेहरे के छत्तीसगढ़ के मुकाबले में उतरी है, जबकि कांग्रेस का नेतृत्व सीएम भूपेश बघेल कर रहे हैं। भूपेश बघेल अगर दूसरी बार कांग्रेस की सरकार बनाने में सफल होते हैं तो उनका कद छत्तीसगढ़ में बढ़ेगा। चुनाव की घोषणा होने के बाद से ही ओपिनियन पोल्स में कांग्रेस का पलड़ा भारी रहा। मगर वोटिंग के बाद नतीजे से पहले हुए एग्जिट पोल में बीजेपी भी मुकाबले में खड़ी दिखाई देने लगी। ट्राइबल इलाके में बंपर वोटिंग के कारण सीएम भूपेश बघेल कॉन्फिडेंट हैं, सरकार कांग्रेस की बनेगी।

2018 के बाद से आदिवासी वोट कांग्रेस की ओर शिफ्ट हुआ था। छत्तीसगढ़ में दो चरणों में मतदान हुआ और कुल 76.31 फीसदी वोटिंग हुई। राज्य की सबसे दिलचस्प मुकाबला पाटन सीट पर है, जहां से पांच बार के विधायक रह चुके सीएम भूपेश बघेल मैदान में हैं। मुकाबले में उनका भतीजा विजय बघेल और पूर्व सीएम अजित जोगी के बेटे अमित जोगी से है। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह भी राजनंदगांव से चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा मोहम्मद अकबर , मोहन मरकाम, कवासी लखमा , केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह , डिप्टी सीएम टी. एस. सिंहदेव, डॉ. रेणु जोगी और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत के भाग्य का फैसला भी रविवार दोपहर नतीजे आने के बाद हो जाएगा।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव में इस बार कड़े मुकाबले की उम्मीद है। लोगों की नजरें के. चंद्रशेखर राव पर टिकी हैं, जहां वह हैट्रिक की उम्मीद कर रहे हैं। ओपिनियन पोल्स और एग्जिट पोल्स में कांग्रेस पहली बार बीआरएस के कड़ी टक्कर में टक्कर में नजर आ रही है। खुद केसीआर दो विधानसभा सीटों कामारेड्डी और गजवेल से चुनाव लड़ रहे हैं। ये दोनों सीटें इस बार तेलंगाना की सबसे हॉट सीट बन गई है। गजवेल में बीजेपी के इटाला राजेंद्र भी मैदान में हैं। कामारेड्डी से रेवंत रेड्डी इस बार केसीआर को चुनौती दे रहे हैं।

बीजेपी भी विधानसभा की 119 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। यहां 40 से ज्यादा सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला है। 25 नवंबर को तेलंगाना में 70.60 प्रतिशत मतदान हुआ। बंपर वोटिंग से सत्ता परिवर्तन के संकेत मिल रहे हैं। एग्जिट पोल्स में भी तेलंगाना में कांग्रेस बढ़त लेती दिख रही है। हैदराबाद की सात सीटों पर जीतने वाली एआईएआईएम का भविष्य भी रविवार को वोटों की गिनती के बाद तय हो जाएगा। केसीआर, केटीआर, रेवंत रेड्डी, बंदी संजय, इटाला राजेंद्र, अकबरुद्दीन ओवैसी का क्या होगा, इसका पता भी काउंटिंग के बाद चल जाएगा।

चक्रवाती तूफान मिचौंग बरपा सकता है कहर, एनडीआरएफ की 18 टीमें तैनात

-तेज हवाओं के साथ सोमवार को मचाएगा उत्पात, आईएमडी ने जारी किया रेड अलर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। चक्रवाती तूफान मिचौंग से सावधानी बरतने आईएमडी ने रेड अलर्ट जारी ?किया है। यह बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहा है, जो ?कि सोमवार सुबह स??क्रिय होगा। इसके चेन्नई से निकलकर नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच टकराने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, पूर्वानुमान से पता चलता है कि इस तूफान के चलते इस पूरे इलाके में 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इस तूफान के मद्देनजर तिरुवल्लुर जिले में सोमवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि यहां 21 सेंटीमीटर या उससे अधिक भारी बारिश हो सकती है। इस बीच अधिकारियों ने एडवायजरी करते हुए चक्रवात मिचौंग के मद्देनजर 4 दिसंबर को पुडुचेरी, कराईकल और यनम क्षेत्रों के सभी स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी है। वहीं पुडुचेरी और इसके बाहरी इलाकों में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है, जब?कि कल मॉनसून में कुछ कमी देखी गई।

अलर्ट जारी करते हुए मौसम विभाग ने कहा कि यह सिस्टम 2 दिसंबर को गहरे दबाव में बदल सकता है और अगले दिन चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। चक्रवात मिचौंग के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। इस तूफान के चलते चेन्नई में अगले 48 घंटों तक गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। प्रशासन ने 4 दिसंबर को पुडुचेरी, कराईकल और यनम क्षेत्रों के सभी स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की है।

वहीं 5 दिसंबर को उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के साथ अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

इधर एनडीआरएफ ने तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पुडुचेरी को 18 टीमें स्टैंडबाय की हैं और 10 अतिरिक्त टीमों को भी तैयार रखा है। इस तूफान की वजह से ओडिशा के कोरापुट, रायगड़ा, गजपति, गंजम, पुरी और जगतसिंहपुर के कुछ इलाकों में 3 दिसंबर को हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इसके साथ ही 5 दिसंबर को भारी से बहुत भारी बारिश के पूर्वानुमान के साथ ओडिशा के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने अधिकारियों को चक्रवात से प्रभावित होने की संभावना वाले स्थानों से लोगों को निकालने सहित एहतियाती कदम उठाने के लिए भी कहा है।

ज्ञानवापी की सर्वेक्षण रिपोर्ट 11 दिसंबर तक सौंपने का आदेश

वाराणसी (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में वाराणसी की जिला अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण पर अपनी रिपोर्ट 11 दिसंबर तक सौंपने को कहा है।

गौरतलब है कि एएसआई ने जिला अदालत में एक आवेदन दायर कर ज्ञानवापी मस्जिद पर वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जमा करने के लिए तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय की मांग की थी। आवेदन को आंशिक रूप से स्वीकार कर जिला न्यायाधीश डॉ.अजय कृष्ण विश्वेशा ने एएसआई को 11 दिसंबर 2023 को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया। ज्ञानवापी मस्जिद के रोजमर्रा के मामलों की देखरेख करने वाली अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति ने एएसआई द्वारा रिपोर्ट सौंपने के लिये अतिरिक्त समय देने पर आपत्ति जाहिर की थी। अदालत ने कहा, एएसआई को अदालत में रिपोर्ट दाखिल करने के लिए 10 दिन का अतिरिक्त समय देना उचित लगता है। अदालत को उम्मीद है कि दिए गए समय के भीतर एएसआई निश्चित रूप से रिपोर्ट दाखिल कर आगे समय की मांग नहीं करेगी।

ट्रक ने ऑटो को रौंदा, महिला सहित पांच लोगों की मौत

आगरा (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में शनिवार शाम दिल्ली नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसे में महिला सहित पांच लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ऑटो दो ट्रक के बीच में फंस गया, जिससे मौके पर चीख पुकार मच गई। ऑटो सवार लोगों को जान बचाने तक का मौका नहीं मिला। ऑटो सवार लोगों की सांसें जहां की तहां थम गईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस भीषण हादसे पर दुख व्यक्त किया है।

ये हादसा थाना सिकंदरा क्षेत्र में दिल्ली नेशनल हाईवे पर गुरुद्वारा गुरु के ताल के सामने कट पर हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ऑटो सवारियां लेकर भगवान टॉकीज से सिकंदरा की ओर जा रहा था। हाईवे पर वाहनों की कतार थी।

नवंबर में जीएसटी कलेक्शन 1.68 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार के लिए नवंबर 2023 का महीना अच्छा साबित हुआ है। दरअसल, वित्त मंत्रालय के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक नवंबर 2023 में जीएसटी कलेक्शन में बीते साल के समान महीने के मुकाबले 15 फीसदी के उछाल के साथ 1.68 लाख करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल इसी अवधि (नवंबर 2022) में जीएसटी कलेक्शन 1.45 लाख करोड़ रुपये था। साल दर साल जीएसटी कलेक्शन में 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। यह लगातार नौवां महीना है जब मासिक जीएसटी कलेक्शन 1.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर आया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नवंबर 2023 में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 1,67,929 करोड़ रुपये रहा। इसमें केंद्रीय जीएसटी 30,420 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी 38,226 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी 87,009 करोड़ रुपये और सेस 12,274 करोड़ रुपये रहा। अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन 1.72 लाख करोड़ रुपये रहा था। इस तरह अक्टूबर 2023 के मुकाबले नवंबर में जीएसटी कलेक्शन में 2 फीसदी कमी आई है, लेकिन जीएसटी लागू होने के बाद से यह दूसरा सबसे बड़ा कलेक्शन है।

राजस्थान विधानसभा चुनाव : परिणाम से पूर्व कांग्रेस और भाजपा के प्रतिनिधियों ने की राज्यपाल से मुलाकात

-अशोक गहलोत के बाद वसुंधरा राजे की राज्यपाल से मुलाकात से राज्य में बढ़ी राजनी?तिक हलचल

जयपुर(ईएमएस)। राजस्थान विधानसभा चुनाव परिणाम से पूर्व पहले राज्य में राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। एग्जिट पोल जारी होने के एक दिन बाद राज्यपाल कलराज मिश्र से श?निवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने अलग-अलग मुलाकात की। राजस्थान की राजनीति के इन दोनों धुरंधरों की गवर्नर से मुलाकात के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। हालांकि, गहलोत और वसुंधरा दोनों ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया है।

राजस्थान के लिए अधिकतर एजेंसियों के एग्जिट पोल ने राज्य में भाजपा की सरकार बनते हुए दिखाया है। वहीं कुछ एग्जिट पोल में कांग्रेस और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर की संभावना जताई है। दोनों एजेंसियों के मुताबिक राज्य में कांग्रेस को हल्की बढ़त हासिल है।

वहीं, अशोक गहलोत मुख्यमंत्री होने के नाते इस चुनाव में कांग्रेस के चेहरा थे। पार्टी ने राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान होर्डिंग्स और बैनरों पर प्रमुखता के साथ गहलोत की तस्वीरें ही छापी थीं। ऐसे में अगर नतीजे कांग्रेस के पक्ष में रहते हैं तो अशोक गहलोत का कद और बढ़ जाएगा। क्योंकि दशकों बाद यह पहली बार होगा जब राज्य में कोई सरकार रिपीट होगी। ऐसे में अशोक गहलोत के जादूगर वाली छवि को और बल मिलेगा। अगर पार्टी बहुमत के आंकड़े से कुछ कम पर रुक जाती है और भाजपा भी जादुई आंकड़ा नहीं छू पाती, तो ऐसे में अपनी अपनी पार्टियों के लिए अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे संकटमोचक साबित होंगे। अगर सरकार बनाने के लिए 5-10 विधायकों के समर्थन की जरूरत पड़े तो कांग्रेस के लिए अशोक गहलोत और भाजपा के लिए वसुंधरा राजे समीकरण साधने वाले सबसे उपयुक्त नेता होंगे। ऐसे में दोनों का राज्यपाल से मिलना इस ओर इशारा करता है कि किसी विपरीत परिस्थिति में स्थिति संभालने के लिए इनकी पार्टियों ने इन्हें ही जिम्मेदारी सौंपी है। वैसे तो कांग्रेस और भाजपा दोनों में ही मुख्यमंत्री पद के कई दावेदार हैं। लेकिन क्राइसिस मैनेजमेंट के मामले में अशोक गहलोत और वसुंधरा के कद का कोई दूसरा नहीं दिखता।

ईडी कोर्ट में संजय सिंह की चार्जशीट पेश, बढ़ सकती हैं मुश्किलें

नई दिल्ली,(ईएमएस)ँआप नेता संजय सिंह की मुश्किलें अब बढ़ती नजर आ रही हैंँदरअसल आबकारी नीति मामले में संजय सिंह पर शिकंजा कसते हुए ईडी ने पूछताछ के बाद उन्हें जेल में रखा हुआ हैंँइस मामले में ईडी ने अब उनके खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट में 60 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। फिलहाल संजय सिंह तिहाड़ जेल में बंद हैं। गौरतलब है कि ईडी ने आबकारी नीति मामले में संजय सिंह के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट में 60 पन्नों की चार्जशीट दाखिल कर दी है। इससे समझा जा रहा है कि संजय सिंह की मुश्किलें कम नहीं होंगीँ धन शोधन निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत एक स्थानीय अदालत में आरोप-पत्र दायर किया है। यह इस मामले में पूरक आरोप पत्र हैंँदरअसल एजेंसी ने ऐसी लगभग पांच अभियोजन शिकायतें पहले ही दायर कर चुकी हैं। ईडी ने आप के राज्यसभा सदस्य सिंह को इस मामले में अक्टूबर में गिरफ्तार किया था, तभी से वो जेल में हैं।

डार्क पैटर्न अपनाने पर लगेगा जुर्माना

-सरकार ने ई-कॉमर्स कंपनियों पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ई-कॉमर्स कंपनियां अब डार्क पैटर्न अपनाने से गुरेज करेंगी, क्योंकि सरकार ने इस पर जुर्माने का प्रावधान किया हैंँसरकार ने शिकंजा कसते हुए गाइडलाइन जारी की है। इसके अनुसार कंपनियां नियमों का पालन नहीं करती हैं तो उन्हें 10 लाख रुपए तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है।

दरअसल कई दफा देखा जाता है कि ग्राहकों को भ्रमित कर उत्पाद ज्यादा कीमत पर बेचने के लिए झूठी आपात स्थिति निर्मित कर दी जाती हैंँई-कंपनियां एक स्लोगन लगाती हैं कि यह डील एक घंटे में खत्म हो जाएगीँ इसके साथ ही किसी उपभोक्ता के शॉपिंग कार्ट में कोई वस्तु अपनी ओर से ही डाल देना भी इसमें शामिल होता है। इसके बाद यदि उपभोक्ता ने कोई वस्तु नहीं लेने को कहा तो उसे शर्मिंदा करना, गैर-जरूरी सेवा के लिए उकसाना और बकायदा मकड़जाल बनाकर सब्सक्रिप्शन में फंसाना और ऐसी सेवाएं उपलब्ध कराना, जहां से उपभोक्ता आसान तरीके से बाहर ही न निकल सके। किसी समान की जानकारी जानकारी छिपाना, जानकारी बदल देना और उपभोक्ता से प्लेटफॉर्म फीस के लिए अलग से चार्ज कर वस्तु का दाम बढ़ा देना। आदि डार्क पैटर्न में लिया जाता है, इसके लिए सरकार ने अब कंपनियों पर जुर्माना लगाने का इंतजाम कर दिया हैंँ

इस प्रकार केंद्र सरकार ने डार्क पैटर्न अपनाने वाली ई-कॉमर्स कंपनियों पर 10 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया है। गौरतलब है कि सरकार ने इसके लिए सितंबर में ड्राफ्ट जारी किया था। इसके बाद सभी ई-कॉमर्स कंपनियों और स्टेकहोल्डर्स के साथ विशेष बैठक का भी आयोजन किया गया। इस बैठक के दौरान ही सरकार ने स्पष्ट कर दिया था कि उपभोक्ताओं की पसंद को मैनिपुलेट करना या उसमें बदलाव करने की कोशिश करने वाली ई-कॉमर्स कंपनियों पर कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में समझा जा रहा है कि कंपनियां उपभोक्ताओं के साथ धोखा-धड़ी भी नहीं कर पाएंगीँ

83ङ्क लोगों ने आज के मतदान में केजरीवाल से इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली (नई दिल्ली)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल ने आज 'लोक अभियान' के कार्यकर्ताओं के साथ राजीव चौक मेट्रो स्टेशन गेट न.6 पर शराब घोटाले में केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जनमत संग्रह करवाया, जिसमें 10,000 लोगों ने अपनी राय दी। इस जनमत संग्रह में लोगों से पूछा गया कि शराब घोटाले में यदि केजरीवाल को गिरफ्तार किया जाता है तो उनको इस्तीफा देना चाहिए या नहीं। 83ङ्क लोगों ने कहा कि केजरीवाल को इस्तीफा दे देना चाहिए, 17ङ्क ने कहा इस्तीफा मत दो।

जीतने वाले विधायकों को चेन्नई और बेंगलुरु में रखेगी कांग्रेस

राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में पुख्ता इंतजाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस इस बार चारों राज्यों में सरकार बनाने को लेकर काफी सजग है।इस बार भारतीय जनता पार्टी का लोटस अभियान कामयाब ना हो। इसके लिए कांग्रेस ने विशेष रूप से तैयारी कर रखी है। जो भी विधायक चुनाव जीतेंगे। उन्हें राजधानी में विधायक दल की बैठक में शामिल होने के लिए कहा गया है। राजस्थान की राजधानी जयपुर, मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर तथा हैदराबाद में विधायकों को एकत्रित कर उन्हें बेंगलुरु और चेन्नई के सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जाएगा।

कांग्रेस का मानना है कि राज्यपाल सरकार बनाने में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं। कांग्रेस विधायकों की तोड़फोड़ ना हो।इसके लिए कांग्रेस ने इस बार विशेष इंतजाम किए हैं।

सभी विधायकों को सुरक्षित रखने का जिम्मा कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार को सौंपा गया है। उन्होंने चेन्नई और बेंगलुरु में सुरक्षित स्थानों का चयन करके रखा है। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन से भी विधायकों को सुरक्षा दिए जाने की मांग की है।

-3 तारीख की रात को विधायकों की बैठक

कांग्रेस हाई कमान ने चारों राज्यों के निर्वाचित विधायकों को 3 दिसंबर को ही विधायक दल की बैठक में शामिल होने की निर्देश दिए हैं। बैठक के पश्चात विधायकों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए इस बार विशेष विमानो की व्यवस्था भी की गई है। कांग्रेस हाई कमान इस बार भारतीय जनता पार्टी को ऐसा कोई मौका नहीं देना चाहता है, जिससे वह कोई भी तोड़फोड़ कर सकें।

शीतकालीन सत्र से पहले केंद्र ने कहा, सभी मुददों पर चर्चा को तैयार

विपक्ष भी सकारात्मक मौहाल बनाए

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले मोदी सरकार ने कहा कि वह सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि सदन में चर्चा के लिए मौहाल तैयार करे। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू होगा। इसके पहले राजनीतिक दलों के नेताओं ने शीतकालीन सत्र के एजेंडे पर चर्चा के लिए शनिवार को बैठक की। इस दौरान विपक्षी नेताओं ने पुराने आपराधिक कानूनों के स्थान पर लाए जा रहे तीन विधेयकों के अंग्रेजी में नाम, मंहगाई, जांच एजेंसियों के ''दुरुपयोग'' और मणिपुर पर चर्चा की मांग की। मोदी सरकार में संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि बैठक में केंद्र ने आश्वासन दिया कि वह सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। हालांकि उन्होंने कहा कि, लेकिन विपक्ष को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि सदन में चर्चा के लिए पूरा माहौल बने और कहीं कोई व्यवधान न हो। केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि सरकार रचनात्मक चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है और उसने विपक्ष से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित होने देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने विपक्ष के सुझावों को सकारात्मक रूप से लिया है। संसदीय कार्यमंत्री जोशी ने बताया कि 19 विधेयक और दो वित्तीय विषय विचाराधीन हैं।

राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि विपक्ष ने कुछ मुद्दों पर चिंता व्यक्त कि है जिसमें चीन द्वारा 'हमारी जमीन हड़पना', मणिपुर, महंगाई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का 'दुरुपयोग' शामिल है। यह बैठक जोशी ने बुलाई और इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, कांग्रेस नेता जयराम रमेश, गौरव गोगोई और प्रमोद तिवारी, तृणमूल कांग्रेस के नेता सुदीप बंद्योपाध्याय, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की नेता फौजिया खान और आरएसपी नेता एन के प्रेमचंद्रन सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

संसद का शीतकालीन सत्र चार से शुरू होकर 22 दिसंबर तक चलेगा जिसमें 15 बैठकें होंगी। इस सत्र में औपनिवेशिक काल के आपराधिक कानूनों के स्थान पर तीन विधेयक लाने सहित प्रमुख विधेयकों के मसौदे पर विचार-विमर्श होने की उम्मीद है। सत्र के पहले दिन सोमवार को सदन में 'पैसे लेकर प्रश्न पूछने' के मामले में लोकसभा की समिति की रिपोर्ट भी पेश होने के लिए सूचीबद्ध है। रिपोर्ट में तृणमूल नेता महुआ मोइत्रा को निचले सदन से निष्कासित करने की सिफारिश की गई है।

मोदी सरकार में पद्म पुरुस्कारों को योग्य व्यक्तियों को देने की शुरुआत हुईः गृहमंत्री अमित शाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज गुजरात के जूनागढ़ में श्री दिव्यकांत नाणावटी जी के जन्म शताब्दी वर्ष पर आयोजित स्मृति पर्व कार्यक्रम को संबोधित किया। अमित शाह ने कहा कि श्री दिव्यकांत नाणावटी जी उन लोगों में से हैं जो समाज के लिए जीते है और दूसरों के लिए कुछ करते हैं। उन्होंने कहा कि रुपायतन संस्था ने आज एक ऐसी पुस्तक का प्रकाशन किया है नई पीढ़ी के नेताओं को निश्चित रूप से मार्गदर्शन देने वाली सिद्ध होगी। श्री शाह ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अगर कोई 100 सालों के बाद भी याद करता है तो इसका अर्थ है कि उस व्यक्ति का जीवन सार्थक रहा है। श्री दिव्यकांत जी लगातार दो बार विधायक बने और गुजरात के कानून और न्याय मंत्री भी रहे और उन्होंने ना सिर्फ जूनागढ़ बल्कि गुजरात के सार्वजनिक जीवन में भी अनेक प्रकार के योगदान दिए। गृहमंत्री ने कहा कि भक्तिसाहित्य की श्रेष्ठतम विभूति नरसिंह मेहता जी ने अपना पूरा जीवन साहित्य को समर्पित कर दिया और उनके जैसा उत्कृष्ट साहित्यकार मिलना असंभव है। उन्होंने कहा कि मेहता जी ने वेदो और उपनिषदों का सारा रहस्य, संक्षिप्त तरीके से और आसान भाषा में लोगो के सामने रखा। उन्होंने कहा कि उस जमाने में अस्पृश्यता का विरोध करने की हिम्मत सिर्फ नरसिंह मेहता ही कर सकते थे। शाह ने कहा कि अगर सामाजिक न्याय के बारे में जानना है तो एक बार नरसिंह मेहता जी को समझना होगा। उन्होंने कहा कि नरसिंह मेहता जी की इस पावन भूमि पर रुपायतन संस्था ने इस भूमि के पुत्र दिव्यकांत जी की स्मृति में पुस्तक प्रकाशित की है, जो निश्चित रुप से जूनागढ़ और गुजरात के सार्वजनिक जीवन में काम करने वाले लोगो के लिए एक प्रेरणा बनेगी।

कन्या भ्रूण हत्या घोटालाः 12 सप्ताह के भ्रूणों को कूड़ेदान में फेंक दिया

अब तक 3,000 कन्या भ्रूणों का गर्भपात किया

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक में कन्या भ्रूण हत्या घोटाले की जांच में कुछ चौंकाने वाले सच सामने आए हैं। गिरफ्तार हेड नर्स मंजुला ने खुलासा किया है कि 12 सप्ताह के भ्रूणों को मेडिकल कचरे के साथ कूड़ेदान में फेंक दिया गया था। पुलिस ने कहा, नर्स मंजूला ने दावा किया था कि 6 महीने के भ्रूण का भी गर्भपात किया गया था और शवों को कावेरी नदी में बहा दिया गया था। मंजुला मैसूर के माथा अस्पताल में काम करती थी, जहां गिरोह गर्भपात करता था।

नर्स ने पुलिस को बताया, गर्भ से बाहर निकालने के बाद 6 महीने के भ्रूण पांच से 10 मिनट तक जीवित रहते थे। मैं उन्हें एक कागज में लपेटकर निसार (आरोपी) को दे देती थी, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई सबूत न रहे और वह उन्हें कावेरी नदी में फेंक दे। पुलिस ने बताया कि आरोपी छह माह से गर्भपात करा रहा था। उन्होंने कहा था कि चूंकि उनके पास एडवांस स्कैनिंग मशीनें नहीं थीं, इसलिए वे कभी-कभी छह महीने का होने पर भ्रूण के लिंग का निर्धारण करने में सक्षम होते थे। पुलिस ने बताया कि जब भी लिंग की पहचान करने में देरी होती थी, तब कन्या भ्रूण को बाहर निकालने के लिए सिजेरियन ऑपरेशन किया जाता था। कर्नाटक सरकार ने कन्या भ्रूण हत्या घोटाले की जांच आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दी थी।

हाल ही में बेंगलुरु में सामने आए भ्रूणहत्या घोटाले की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि आरोपी अब तक 3,000 कन्या भ्रूणों का गर्भपात करा चुका है। बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर बी दयानंद ने कहा था कि जांच से पता चला है कि आरोपी ने अब तक 3,000 गर्भपात कराए हैं और पिछले तीन महीनों में 242 कन्या भ्रूणों की हत्या कर दी गई है। आरोपियों ने पैसा कमाने के लिए प्रति वर्ष 1,000 गर्भपात का लक्ष्य रखा था, क्योंकि वे प्रति गर्भावस्था समाप्ति के लिए 20,000 रुपये से 25,000 रुपये के बीच शुल्क लेते थे। यह घोटाला तब सामने आया जब 15 अक्टूबर को बयप्पनहल्ली पुलिस ने संदिग्ध रूप से घूम रहे एक वाहन को रोकने की कोशिश की। वाहन का चालक नहीं रुका और पीछा कर पुलिस ने उस पकड़ा।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने गर्भपात रैकेट के बारे में खुलासा किया। पुलिस ने इस घृणित गतिविधि में शामिल होने के आरोप में अब तक दो डॉक्टरों और तीन लैब तकनीशियनों सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच से यह भी पता चला कि मांडया जिले में एक गुड़ उत्पादन इकाई में लिंग निर्धारण परीक्षण किए गए थे, जहां आरोपियों ने एक प्रयोगशाला और संबंधित सुविधाएं स्थापित की थी और मैसूर के माथा अस्पताल में गर्भपात किया गया था।

जन हितैषी

2783 विदेशी कंपनियां भारत में बंद हो गई

2014 से लेकर 2021 के बीच में लगभग 11000 कंपनियां भारत आई थी। इसी अवधि में 2783 कंपनियां अपना कारोबार बंद करके वापस चली गई। जो महत्वपूर्ण कंपनियां भारत में कारोबार बंद करके गई है। उसमें अबू धाबी कमर्शियल बैंक, अमेरिकी कार कंपनी फोर्ड, स्विस सीमेंट, होलो?सिम और जर्मन रिटेलर मेट्रो जैसी बड़ी कंपनियां भी शामिल है। भारत में केवल वही कंपनियां काम कर रही हैं, जो ज्वाइंट वेंचर में विदेशी धन का निवेश करके देसी कंपनियों के साथ मिलकर भारी मुनाफा कमा रही हैं। उनमें डोव सोप, नोर स्टाक क्यूक्स और ब्रिटिश कंपनी हिंदुस्तान लीवर के कंज्यूमर प्रोडक्ट भारत में सबसे अधिक कार बेचने वाली सुजुकी, दक्षिण कोरिया की हुंडई, जापान की होंडा कंपनी सैमसंग के फोन सोशल मीडिया ऐप व्हाट्सएप इत्यादि से जुड़ी कंपनियां भारत में जमकर माल कूट रही हैं। इसके लिए इन्होंने भारतीय कंपनियों के साथ निवेश करके अपने व्यापार को बढ़ाया है और भारी मुनाफा कमा रहे हैं।

भारत में नई कंपनियां नहीं आ रही है। जो कंपनियां आई थी, वह भी वापस जा रही हैं। उसके पीछे का कारण बहुत बड़ा है। भारत में विदेशी निवेश के लिए बहुत अच्छा वातावरण नहीं है। कानूनों का मकड़जाल, भ्रष्टाचार, बार-बार कानून का बदला जाना, सड़कों पर ट्रैफिक जाम होना, प्रदूषित हवा, खराब संचार माध्यम, व्यावहारिक कठिनाइयों के साथ-साथ कर्मचारियों के साथ टकराव के चलते हुए भारत में जो कंपनियां आई थी। वह भी वापस चली गई। आगे यहां पर विदेशी कंपनियां निवेश नहीं करना चाहती हैं। 2018 के बाद से 2023 तक भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश जहां था, वहीं पर है। भारत में वही कंपनियां सरवाइव कर पा रही हैं। जिन्हें सरकारी संरक्षण मिला हुआ है, जो कंप?नियां सरकारी प्राथमिकता के अनुसार काम कर रही हैं। उनके पास सरकार के प्रोजेक्ट हैं। सरकारी कांटेक्ट के अंतर्गत कंपनियां काम कर रही हैं। उन्हीं का भारत में प्रत्यक्ष निवेश है। लेकिन वह भी सरकार के भरोसे हैं। इससे आम जनता को कोई फायदा नहीं हो रहा है। संचार माध्यम की कंपनियां गूगल मेटा इत्यादि ने भारी निवेश जरूर किया गया है। लेकिन इसमें कमाई भी उपभोक्ताओं से जमकर की जा रही है। एकाधिकार के बल पर भारी कमाई यह विदेशी कंपनियां कर रही हैं। जो भी विदेशी कंपनियां यहां पर आ रही हैं, वह भारतीय पार्टनर के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। पार्टनर के रूप में भी वह उस कंपनी को खोजते हैं। ?जिसके वर्तमान सरकार के साथ बहुत अच्छे संबंध हों। व्यापार में एकाधिकार होना और भारी कमाई सुनिश्चित करने के बाद ही कंपनियां भारतीय कंपनियों में निवेश कर रही हैं। चीन से बड़ी संख्या में विदेशी कंपनियों ने अपना कारोबार दूसरे देशों में ?शिफ्ट ?किया है। इसका फायदा उठाने में भारत को कोई सफलता नहीं मिली। उल्टे बांग्लादेश जैसे छोटे से देश में विदेशी कंपनियों ने भारत से ज्यादा निवेश किया है। बांग्लादेश भारत की तुलना में बड़ा निर्यातक देश बन रहा है। भारत में नियम कायदे और कानून का जो मकडजाल बना हुआ है, उस मकडजाल से विदेशी कंपनियां अपने आप को निकाल ही नहीं पाती हैं। रही सही कसर भारत में व्याप्त भ्रष्टाचार जो राजनेताओं से लेकर नौकरशाहों तक फैला हुआ है, उसको देखकर विदेशी कंपनियां घबरा कर भागने में ही भलाई समझती हैं। चीन से जब विदेशी कंपनियां बाहर जा रही थी, उस समय भारत के लिए एक बहुत बड़ा अवसर था। लेकिन भारत सरकार की कार्यप्रणाली में कोई परिवर्तन नहीं आने, निर्णय में देरी करने के कारण बांग्लादेश जैसे देश आज भारत से आगे निकल गये हैं। यह भारत के ?लिये सबसे बड़ी चिंता का विषय है।

भोपाल गैस त्रासदी के 39 बरस

(भोपाल गैस त्रासदी की 39वीं बरसी (3 दिसम्बर) पर विशेष)

मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में 1984 में हुई भयानक गैस त्रासदी की घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा। भोपाल गैस कांड को 39 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीडित होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं। यह हादसा पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाला था कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया और उनका अंतिम संस्कार किया गया जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा और आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे।

एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीडितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 39 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हो रहे हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे।

हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। 3 दिसम्बर 1984 को इसी कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का रिसाव हुआ था। गैस के रिसाव के उपरांत गैस के बादल में फोस्जीन, हाइड्रोजन सायनाइड, कार्बन मोनो-ऑक्साइड, हाइड्रोजन क्लोराइड इत्यादि के अवशेष भी पाए गए थे। जिन लोगों के फैंफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? गैस के कारण लोगों की आंखों और सांस लेने में परेशानी हो रही थी, सिर चकरा रहा था, बहुतों को कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। हजारों लोगों के एकाएक अस्पतालों में पहुंचने से डॉक्टरों को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था कि जहरीली गैस से पीडित इतने सारे लोगों का किस प्रकार और क्या इलाज किया जाए क्योंकि उनके पास भी मिक गैस से पीडित लोगों के इलाज का कोई अनुभव नहीं था। वे इस रासायनिक आपदा के उपचार के लिए पूर्ण रूप से तैयार नहीं थे।

भले ही गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु हकीकत यह है कि इस गैस त्रासदी के 39 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है। हादसे से पर्यावरण को भी ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का इस पूरे मामले में रूख संवेदनहीन ही रहा है। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। विभिन्न रिपोर्टों में बताया जाता रहा कि यूनियन कार्बाइड संयंत्र के आसपास की 32 बस्तियों का भूजल प्रदूषित है और यह सरकारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही रही कि गैस पीडित वर्ष 2014 तक इसी प्रदूषित भूजल को पीते रहे। हालांकि वर्ष 2014 में इन क्षेत्रों में पानी की पाइपलाइन डाली गई लेकिन तब तक जहरीले रसायन लोगों के शरीर में गहराई तक घुल चुके थे। (लेखक - योगेश कुमार गोयल/ईएमएस) (लेखक 33 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

दिव्यांगो का भी हो समुचित विकास

(3 दिसम्बर विश्व विकलांग दिवस पर विशेष)

समाज में दिव्यांगता को एक सामाजिक कलंक के रूप में देखा जाता है। जिसे सुधारने की आवश्यकता है। इसीलिए हर साल 3 दिसंबर के दिन विश्व विकलांग दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1992 में हर वर्ष 3 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस के रूप में मनाने घोषणा की गयी। इसका उद्देश्य समाज के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों को बढ़ावा देना और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में दिव्यांग लोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। मगर आज भी लोगों को तो इस बात का भी पता ही नहीं होता है कि हमारे आस-पास कितने दिव्यांग रहतें हैं। उन्हे समाज में बराबरी का अधिकार मिल रहा है कि नहीं। किसी को इस बात की कोई फिकर नहीं हैं।

यह एक कड़वी सच्चाई है कि भारत में दिव्यांग आज भी अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर आश्रित है। दुनिया में 8 प्रतिशत लोग दिव्यांगता का शिकार है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 2.21 प्रतिशत आबादी यानि 2.68 करोड़ लोग किसी न किसी तरह की दिव्यांगता से ग्रस्त है। दिव्यांग जनसंख्या में 56 प्रतिशत (1.5 करोड़) पुरुष हैं और 44 प्रतिशत (1.18 करोड़) महिलाएं हैं। दिव्यांगता अभिशाप नहीं है। शारीरिक अभावों को यदि प्रेरणा बना लिया जाये तो दिव्यांगता व्यक्तित्व विकास में सहायक हो जाती है। यदि सोच सही रखी जाये तो अभाव भी विशेषता बन जाते हैं। दिव्यांगो का मजाक बनाना, उन्हें कमजोर समझना एक भूल और गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 दिसंबर 2015 को अपने रेडियो संबोधन 'मन की बात' में कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक 'दिव्य क्षमता' है और उनके लिए 'विकलांग' शब्द की जगह दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। जिसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हे हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। आज भी समाज के लोगों द्वारा दिव्यांगों को दयनीय दृष्टि से ही देखा जाता है। भले ही देश में अनेको दिव्यांगों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया हो मगर लोगों का उनके प्रति वहीं पुराना नजरिया बरकरार है।

विकलांगों के अधिकारों के लिए काम कर रहे संगठन नेशनल प्लेटफॉर्म फॉर द राइटस ऑफ डिसएबिल्ड ने प्रधानमंत्री मोदी के दिव्यांग शब्द पर उनको पत्र लिखकर कहा कि था कि केवल शब्द बदलने मात्र से ही विकलांगों के साथ होने वाले व्यवहार के तौर तरीके में कोई बदलाव नहीं आएगा। सबसे बड़ी जरुरत विकलांगों से जुड़े अपयश, भेदभाव और हाशिए पर डालने के मुद्दों पर ध्यान देने की है। ताकि वो देश की राजनीति के साथ साथ आर्थिक, सामाजिक विकास में बेहतर भागीदारी कर सकें।

दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग भी हुए हैं जिन्होंने अपने साहस संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। सिख राज्य की स्थापना करने वाले महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन के दाई टांग नहीं थी। फिल्मी गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूकबधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार व जयपुर के सुन्दर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है।

भारत में आज भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है। सरकारी कार्यालयों और अस्पतालों के कई दिनों तक चक्कर लगाने के बाद भी लोगों को मायूस होना पड़ता है। हालांकि सरकारी दावे कहते हैं कि इस प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है, लेकिन हकीकत इससे काफी दूर नजर आती है। दिव्यांगता का प्रमाणपत्र जारी करने के सरकार ने जो मापदण्ड बनाये हैं। अधिकांश सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक उनके अनुसार दिव्यांगो को दिव्यांग होने का प्रमाण पत्र जारी ही नहीं करते है। जिसके चलते दिव्यांग व्यक्ति सरकारी सुविधायें पाने से वचिंत रह जाते हैं।

सरकार द्वारा देश में दिव्यांगो के लिए कई नीतियां बनायी गयी है। उन्हें सरकारी नौकरियों, अस्पताल, रेल, बस सभी जगह आरक्षण प्राप्त है। दिव्यांगो के लिए सरकार ने पेशन की योजना भी चला रखी है। लेकिन ये सभी सरकारी योजनाएं उन दिव्यांगो के लिए महज एक मजाक बनकर रह गयी हैं। जब इनके पास इन सुविधाओं को हासिल करने के लिए दिव्यांगता का प्रमाणपत्र ही नहीं है।

हमारे आस पास कई ऐसे व्यक्ति है जिन्होंने अपनी दिव्यांगता के बाद भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। दुनिया में अनेकों ऐसे उदाहरण मिलेंगे जो बताते है कि सही राह मिल जाये तो अभाव एक विशेषता बनकर सबको चमत्कृत कर देती है। यदि दिव्यांग व्यक्तियों को समान अवसर तथा प्रभावी पुनर्वास की सुविधा मिले तो वे बेहतर गुणवत्तापूर्ण जीवन व्यतीत कर सकते हैं। भारत में दिव्यांगो की मदद के लिए बहुत सी सरकारी योजनाएं संचालित हो रही हैं। लेकिन इतने वर्षो बाद भी देश में आज तक आधे दिव्यांगो को ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र मुहैया कराया जा सका है। ऐसे में दिव्यांगो के लिए सरकारी सुविधाएं हासिल करना महज मजाक बनकर रह गया हैं।

देश में दिव्यांगो को दी जाने वाली सुविधाएं कागजों तक सिमटी हुई हैं। अन्य देशों की तुलना में हमारे यहां दिव्यांगो को एक चौथाई सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही है। केन्द्र सरकार ने देशभर के दिव्यांग युवाओं को केन्द्र सरकार में सीधी भर्ती वाली सेवाओं के मामले में दृष्टि बाधित, बधिर और चलने-फिरने में दिव्यांगता या सेरेब्रल पल्सी के शिकार लोगों को उम्र में 10 साल की छूट देकर एक सकारात्मक कदम उठाया है। दिव्यांगता शारीरिक अथवा मानसिक हो सकती है किन्तु सबसे बड़ी दिव्यांगता हमारे समाज की उस सोच में है जो दिव्यांग जनों से हीन भाव रखती है। जिसके कारण एक असक्षम व्यक्ति असहज महसूस करता है।

आधुनिक होने का दावा करने वाला हमारा समाज अब तक दिव्यांगो के प्रति अपनी बुनियादी सोच में कोई खास परिवर्तन नहीं ला पाया है। अधिकतर लोगों के मन में दिव्यांगों के प्रति तिरस्कार या दया भाव ही रहता है। ऐसे भाव दिव्यांगो के स्वाभिमान पर चोट करते हैं। भारत में दिव्यांगो की इतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद इनकी परेशानियों को समझने और उन्हें जरूरी सहयोग देने में सरकार और समाज दोनों नाकाम दिखाई देते हैं।

अब दिव्यांग लोगों के प्रति अपनी सोच को बदलने का समय आ गया है। दिव्यांगो को समाज की मुख्यधारा में तभी शामिल किया जा सकता है जब समाज इन्हें अपना हिस्सा समझे। इसके लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान की जरूरत है। हाल के वर्षों में दिव्यांगो के प्रति सरकार की कोशिशों में तेजी आयी है। दिव्यांगो को कुछ न्यूनतम सुविधाएं देने के लिए प्रयास हो रहे हैं। हालांकि योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर सरकार पर सवाल उठते रहे हैं। पिछले दिनों क्रियान्वयन की सुस्त चाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फटकार भी लगायी थी। दिव्यांगो को शिक्षा से जोडना बहुत जरूरी है। मूक-बधिरों के लिए विशेष स्कूलों का अभाव है। जिसकी वजह से अधिकांश विकलांग ठीक से पढ़-लिखकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते हैं। (लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा/ईएमएस)

जनादेश का स्वागत दरियादिली से कीजिये......

अदावत की राजनीति के युग में रविवार 3 दिसंबर का दिन पांच राज्यों में जनादेश का दिन है। इस जनादेश का स्वागत दरियादिली के साथ किया जाना चाहिए ,क्योंकि इन पांच राज्यों से मिलने वाला जनादेश देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टियों के साथ ही देश की राजनीति का भी भविष्य तय करने वाला हो सकता है। इस जनादेश में एक तरफ नफरत है तो दूसरी तरफ मुहब्बत। एक तरफ जनता से जुड़े मुद्दे हैं तो दूसरी तरफ जाति,धर्म की पारम्परिक राजनीति।

भारत के मीडिया घरानों और स्वतंत्र यूटयब चैनलों ने तो अपने-अपने सर्वेक्षणों के जरिये मध्य प्रदेश,राजस्थान,छत्तीसगढ़,तेलंगाना और मिजोरम में जिसकी सरकार बनाना थी सो बना दी। इसमें जनादेश कहीं नहीं है। ये सर्वेक्षण धनादेश से उपजे हैं। जिन लोगों और संस्थाओं ने सर्वेक्षण किये हैं उन्होंने मतदान नहीं किया और जो मतदान नहीं करता उसे सरकार बनाने का हक भी नहीं होता,लेकिन समय बिताने के लिए करना है कुछ काम की तर्ज पर जिसे जो करना था उसने वो किया। मतदान करने वाली जनता भौंचक है। राजनीतिक दल चकित हैं। विश्लेषकों के चेहरों पर हवाइयां उड़ रहीं हैं क्योंकि जनादेश की असल सूरत कोई नहीं जानता। जनादेश इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन नाम की सिमसिम में कैद है। उसके खुलने में अब कुल जमा 24 घंटे बाक़ी रह गए हैं।

एक जमाना था जब जनादेश को लेकर उत्सुकता चरम पर होती थी। जनादेश का पता लगाने में ही पूरा दिन और आधी रात तक लग जातीं थी,लेकिन अब जमाना बदल गया है। मशीन ही मतों की गणना करती है। मशीन ही मतों का योग बताती है। मशीन की विश्वसनीयता पर लगे प्रश्नचिन्हों के बावजूद उसी से लोकतंत्र का सबसे बड़ा यज्ञ कराया जाता है। फिर भी घालमेल की आशंकाएं बनी रहतीं है। क्योंकि मशीनों के अलावा भी कुछ लोगों को कागज के मतपत्रों के जरिये मतदान की सुविधा केंद्रीय चुनाव आयोग कराता है। सत्तारूढ़ दलों पर अक्सर इन्हीं मतपत्रों में धांधली कर जनादेश से छेड़छाड़ का आरोप लगता है। बात चुनाव आयोग से होती हुई अदालतों तक पहुँचती है। इस तरह की एक नहीं अनेक नजीरें हैं। इस बार भी ऐसा नहीं होगा ,कहना कठिन है क्योंकि मध्यप्रदेश के बालाघाट में निर्धारित समय से पहले डाक मतपत्र खुलने और गिनने की शिकायतें प्रकाश में आयीं थीं।

रविवार को प्रकट होने वाले जनादेश में जनता की रूचि -अभिरुचि का पता चलेगा। पता चलेगा कि जनता सत्ता प्रतिष्ठान के कामकाज से खुश है या नाखुश ! पता चलेगा कि उसे फ्रीबीज यानि रेवड़ियां पसंद हैं या जुमले। पता चलेगा कि जनता मणिपुर की आग से झुलसी या नहीं झुलसी। पता चलेगा कि परिवारवाद जनता को पसंद है या नही।? जनता ये भी बताएगी कि केंद्रीय मंत्रियों के भ्र्ष्टाचार के वीडियो वायरल होने के बाद मतदाता को प्रभावित करते हैं या नहीं ? यानि बहुत सी ऐसी बातों का पता देने वाले हैं ये जनादेश ,जो अभी तक कोई नहीं जानता। लोकतंत्र में जनादेश का महत्व सर्वोपरि है,क्योंकि इसे सभी राजनीतिक दलों को शिरोधार्य करना पड़ता है। भले ही राजनीतिक दलों के मन में विनम्रता हो या विवशता।

पिछले कुछ वर्षों में जनादेश गरीब की जोरू की तरह हो गया है। जनादेश आता किसी के पक्ष में है और ले कोई उड़ता है। चंबल में इस तरह के व्यवहार को अपहरण कहते हैं। अपहृत व्यक्ति को तो आप फिरौती देकर मुक्त भी करा सकते हैं किन्तु जनादेश को नहीं। जनादेश को जनादेश की फिरौती देकर ही मुक्त कराया जा सकता है। जिन पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हुए हैं उनमें से एक मध्यप्रदेश में सत्तारूढ़ दल के पास अपहृत जनादेश ही था। अब देखना ये है कि इसे नया जनादेश मुक्त करा पाता है या नहीं ? देश में जनादेश को बंधक बनाने का ये सबसे बड़ा उदाहरण है। 2018 में जनादेश कांग्रेस के पक्ष में था किन्तु 2020 में भाजपा ने इसका अपहरण कर लिया। लापरवाही कांग्रेस की थी, जनता की नहीं।

छत्तीसगढ़ और राजस्थान में जनादेश सत्तारूढ़ दलों की और से कि गयी जनसेवा के आधार पर आने वाला है। इन दोनों राज्यों में कोई उलझन नहीं है। सत्तारूढ़ दलों के नायक जनता के सामने थे,जबकि विपक्ष में खड़ी भाजपा कि और से अंत तक भावी नायक के चेहरों को लेकर भ्रम की स्थिति बनी रही। यहां माननीय प्रधानमंत्री ने एक तरह से खुद चुनाव लड़ा और जनता को सेवा की गारंटी दी। इस लिहाज से छत्तीसगढ़ और राजस्थान में माननीय प्रधानमंत्री जी की लोकप्रियता और विश्वसनीयता कि परीक्षा का परिणाम जनादेश के रूप में आने वाला है। तेलंगाना में सत्तारूढ़ वीआरएस को अपने ऊपर लगे परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्ति के आधार पर जनादेश हासिल करना है। यहां विपक्ष में कांग्रेस भी है और भाजपा भी। कांग्रेस से तेलंगाना का पुराना रिश्ता है जबकि भाजपा कांग्रेस केमुकाबले तेलंगाना कि जनता के लिए नई-नवेली है।

इसी साल नफरत की आग में झुलसे मणिपुर के पड़ौसी राज्य मिजोरम के चुनाव में भी जनादेश का आधार राज्य के मौजूदा गठबंधन की सरकार के कामकाज से ज्यादा केंद्र सरकार का कामकाज होगा,क्योंकि मणिपुर की आग का धुंआ उड़कर मिजोरम तक पहुंचा है। मिजोरम ने मणिपुर की पीड़ा को आंशिक रूप से सहा भी है। मिजोरम में वैसे भी भाजपा को सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशी भी नहीं मिले थे और भाजपा के भाग्यविधाता माननीय प्रधानमंत्री भी वहां अपनी टीम के साथ चुनवा प्रचार करने नहीं गए। एक तरह से भाजपा ने मिजोरम में आत्मसमर्पण कर दिया था।

देश के पांच राज्यों की जनता सत्ता से किसे एक्जिट करती है और किसे इन ये ही देश की उत्सुकता का कारण है। यदि इन राज्यों में भाजपा जीतती है तो देश रामराज की और आगे बढ़ेगा ,देश में धर्मध्वजा फिर से फहराई जाएगी और यदि कांग्रेस जीतती है तो देश में एक बार फिर धर्मनिरपेक्षता की चिड़िया खुली हवा में सांस लेगी। देश को पटरी पर लाना या न लाना राजनितिक दलों के बजाय जनता के हाथ में है। जनता एक इंजिन की सरकार से काम चलना चाहती है या दो इंजिन वाली सरकार उसे पसंद है ये भी इन पांच राज्यों के जनादेश से तय हो जाएगा। बस सभी को सिमसिम के खुलने का इन्तजार है। एक्जिट पोल तो सिमसिम के खुलने से पहले ही अपनीबात कह चुके हैं। लेखक राकेश अचल

आज का इतिहास 3 दिसंबर

1790 लार्ड कार्नवालिस ने मुर्शिदाबाद के नवाब से न्यायिक अधिकार छीन लिए.

1884 भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद का जन्म.

1889 क्रांतिकारी खुदीराम बोस का जन्म.

1967 केप टाऊन दक्षिण अफ्रीका के एक अस्पताल में मानव हृदय के प्रत्यारोपण का पहला सफल ऑपरेशन हुआ.

1971 भारत पाक युद्ध भड़का.

1984 भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली गैस के रिसाव से डेढ़ हजार व्यक्ति मारे गए और हजारों अन्य बीमार हो गए.

1988 पाकिस्तान की प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ने एक हजार राजनीतिक बंदियों की रिहाई के साथ अनेक कैदियों की मौत की सजा माफ करने का आदेश दिया.

1990 डेट्रायट से उड़ान भरते समय दो जेटों में टक्कर के बाद एक में आग लग गई और नौ जने मारे गए.

1991 बेरूत में बंधक बनाए गए अमरीकी नागरिक एलन स्टीन को पांच वर्ष बाद अपहर्ताओं ने रिहा किया.

1998 शीला दिक्षीत दिल्ली की मुख्यमंत्री बनी.

2000 हैदराबाद की फेमिना मिस इंडिया दीया मिर्जा ने एशिया पैसिफिक का खिताब जीता.

रोनाल्डो को हार के बाद सुनने पड़े 'मेसी, मेसी के नारे

रियाद (ईएमएस)। फुटबॉल के बादशाह कहलाने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मौजूदगी के बावजूद अल नासर को सऊदी अरब फुटबॉल प्रो लीग में अल हिलाल के हाथों 3-0 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद विजेता टीम के प्रशंसकों ने 'मेसी, मेसी के नारे लगाकर पुर्तगाल के इस सुपरस्टार पर ताने कस दिए।

दरअसल लियोनेल मेसी का इस मैच से कोई लेना-देना नहीं था लेकिन पिछले दो दशक से रोनाल्डो और उनके बीच फुटबॉल के मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही है। इसकारण पांच बार के बैलन डीओर विजेता रोनाल्डो जब मैदान से बाहर निकल रहे थे, तब अल हिलाल के प्रशंसक अर्जेंटीना के सुपरस्टार का नाम लेकर उन्हें चिढ़ा रहे थे। रोनाल्डो इस मैच में अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके, जबकि विजेता टीम की तरफ से अलेक्जेंडर मित्रोविच ने दो और सर्बिया के उनके साथी सर्गेज मिलिनकोविच सैविच ने एक गोल किया। रियाद की इन दो टीमों के बीच मुकाबले से पहले हालांकि प्रशंसक रोनाल्डो के समर्थन में नारे लगा रहे थे। इनमें से अधिकतर दर्शक रोनाल्डो की 7 नंबर की जर्सी पहनकर स्टेडियम में पहुंचे थे।

शब्द पहेली - 7845

बाएँ से दाएँ

1. कवि की रचना, गजल-3
3. अनुमान, अंदाज-3
5. सदपुरुष-2
6. अयोग्य, असंगत -2
8. स्वार्थ, लोभ-4
10. सहयोग, सहकार-3
11. उन्माद, सनक-3
12. भगवान का अराधक-2
13. ठंडक, शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन, अशिष्टता-4
20. पैंदा, तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन, आर्ट-2
2. बल, दम, जोर-3
3. समीप, नजदीक-3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम, संदेह-3
7. उपनदी, कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख, सौ हजार-2
11. स्वभाव, आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब, शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा, लाइन-3
21. होठ, अधर-2
22. आगमन-2

शब्द पहेली - 7844 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम कुआलालंपुर के लिए रवाना

बेंगलुरु (ईएमएस)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 में भाग लेने के लिए केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुई, जो 5-16 दिसंबर तक कुआलालंपुर में होगा। भारत टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में तीसरे/चौथे स्थान के मैच में फ्रांस से हारने के बाद चौथे स्थान पर रहा, जो 2021 में भारत के भुवनेश्वर में आयोजित किया गया था। भारत को पूल सी में स्पेन, कोरिया और कनाडा के साथ रखा गया है, जबकि मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को चिली, ऑस्ट्रेलिया और मेजबान मलेशिया के साथ पूल ए में रखा गया है। पूल बी में जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और मिस्त्र को रखा गया है, जबकि पूल डी में नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, बेल्जियम और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 5 दिसंबर को कोरिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगी। टीम का अगला मैच 7 दिसंबर को स्पेन से और पूल चरण का आखिरी मैच 9 दिसंबर को कनाडा से होगा। भारत को क्वार्टर-फ़ाइनल में अपनी प्रविष्टि सुरक्षित करने के लिए पूल सी में शीर्ष दो में रहना होगा। एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 से सफलतापूर्वक वापसी के प्रयास में कप्तान उत्तम सिंह को उप कप्तान अरिजीत सिंह हुंदल द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान उत्तम सिंह ने कहा, पिछली बार हमें फ्रांस से तीसरे/चौथे स्थान का मैच हारने की कड़वी निराशा का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम ने वापसी की है और एक दूसरे के बीच संबंध मजबूत हुए हैं। टीम पहले से कहीं अधिक मजबूत है। हमेशा की तरह, टीम मैच दर मैच जीत हासिल करेगी, हम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करने और उम्मीद है कि भारत पदक वापस लाएगा।

उप कप्तान हुंदल ने कप्तान के विचारों पर सहमति जताकर कहा, पिछले विश्व कप के बाद से टीम काफी विकसित हुई है। हमने सुल्तान जोहोर कप 2022 और पुरुष जूनियर एशिया कप जीता और हाल ही में सुल्तान जोहोर कप 2023 में भी तीसरे स्थान पर रहे। इसकारण, हम जानते हैं कि हम एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 जीतने में सक्षम हैं, यह समय आने पर अपनी क्षमताओं का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की बात है। विश्व कप की तैयारी कर रही भारतीय टीम को अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण टीम संयोजन में बदलाव का सामना करना पड़ा। शारदानंद तिवारी, जो शुरू में 18 सदस्यीय टीम का हिस्सा थे, को बीमारी के कारण हटना पड़ा और उनकी जगह सुखविंदर को लिया गया है। सुखविंदर के टीम में प्रवेश के परिणामस्वरूप योगेम्बर रावत को इस आयोजन के लिए प्रतिस्थापन एथलीट के रूप में जोड़ा गया है।

100 मीटर लंबे छक्के का राज रिंकू सिंह ने बताया

रायपुर (ईएमएस)। भारतीय बल्लेबाज रिंकू सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 श्रृंखला में अपने शानदार प्रदर्शन का श्रेय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने को दिया। रिंकू ने चौथे मैच में 29 गेंद पर 46 रन बनाए जबकि श्रृंखला में अपना पहला खेल रहे जितेश शर्मा ने 19 गेंद पर 35 रन की पारी खेली। इससे भारत ने पहले बल्लेबाजी कर 9 विकेट पर 174 रन का चुनौती पूर्ण स्कोर खड़ा किया और इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट पर 154 रन पर रोक कर पांच मैच की श्रृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त हासिल की।

इस जीत के बाद रिंकू ने जितेश से कहा कि मैं लंबे समय से खेल रहा हूं। मैं पिछले 5-6 साल से आईपीएल में खेल रहा हूं, जिससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा। मैं खुद पर भरोसा रखता हूं और शांत बने रहने की कोशिश करता हूं। जितेश ने स्वीकार किया कि जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरे तब काफी दबाव में थे। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं लग रहा था कि यह तुम्हारी (रिंकू) पहली श्रृंखला है। जब मैं बल्लेबाजी के लिए उतरा तब काफी दबाव में था लेकिन तुम बहुत शांत थे और आसानी से शॉट लगा रहे थे।

इशान की जगह टीम में शामिल किए गए विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश ने उन्हें शांत चित बनाए रखने में मदद करने के लिए रिंकू का आभार भी व्यक्त किया। जितेश ने रिंकू से कहा कि तुम मुझे लगातार बोल रहे थे कि सहज बने रहो और किसी तरह का दबाव मत लो। रिंकू ने अपनी पारी के दौरान 100 मीटर लंबा छक्का भी लगाया। इतने लंबे शॉट लगाने के राज के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि वह नियमित तौर पर जिम जाते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे वजन उठाना पसंद है जिससे मुझे ताकत मिलती है।

शमी को लेकर बीसीसीआई ने कहा, अभी फिटनेस पर काम कर रहे

नई दिल्ली (ईएमएस)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे, टी20 और टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित हो चुकी है। हैरान करने वाली बात ये है कि मोहम्मद शमी साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज का हिस्सा नहीं है। इस पर बीसीसीआई ने बताया है कि शमी अभी मेडिकल ट्रीटमेंट ले रहे हैं। वह अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उनकी वापसी इसके बाद होगी। बता दें कि शमी को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। जिसमें अभी काफी दिन बचे हैं। तब तक शमी पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट होने हैं। पहला टेस्ट 26 दिसंबर से वहीं दूसरा टेस्ट अगले साल 3 जनवरी से खेला जाना है।

शमी ने वर्ल्ड कप के इतिहास में वह 50 विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। उनके ओवरऑल वनडे करियर की बात करें, तब शमी अब तक 101 मैच में 24 की औसत से 195 विकेट ले चुके हैं। 10 बार 4 और 5 बार 5 विकेट लिया है। वे टेस्ट में 229 और टी20 इंटरनेशनल में 24 विकेट झटक चुके हैं। वर्ल्ड कप में उन्होंने 7 मैचों में 24 विकेट लिए थे। औसत सिर्फ 10 का रहा था।

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन (विकेटकीपर), केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, मो.शमी*, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा।

आईपीएल मीडिया अधिकारों की कीमत 50 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंचने की संभावना

बेंगलुरु (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग के मीडिया अधिकारों की कीमत 50 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। आईपीएल अध्यक्ष अरूण धूमल ने खुलासा करते हुए कहा ?कि अगर खेल प्रेमियों की दिलचस्पी को ध्यान में रखते हुए लीग में नयापन और सुधार होता रहे तो इसके मीडिया अधिकारों की कीमत अगले दो दशक में 50 अरब डॉलर (50 बिलियन) तक पहुंच सकती है। इस समय आईपीएल के पांच साल के लिए मीडिया अधिकारों की कीमत करीब 48000 करोड़ रूपये (6.2 बिलियन डॉलर) है। इस तरह कीमत के हिसाब से नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के बाद आईपीएल दूसरे नंबर की लीग है। एनएफएल ने पिछले साल 11 वर्ष के लिए 110 बिलियन डॉलर की कीमत का करार किया है। आईपीएल अध्यक्ष धूमल ने यहां 'आरसीबी इनोवेशन लैब्स के 'लीडर्स मीट इंडिया कार्यक्रम में कहा ?कि अगर मुझे देखना है कि यह पिछले 15 साल में कैसा रहा और आगे यह कैसा होगा तो हमें आईपीएल के मीडिया अधिकारों के करीब 2043 तक 50 बिलियन डॉलर (50 अरब डॉलर) के करीब पहुंचने की उम्मीद है।

बता दें कि धूमल बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष भी हैं। उन्होंने महिलाओं की प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शुरूआत और क्रिकेट के 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक में शामिल किये जाने से भी वित्तीय लाभ की उम्मीद जतायी। धूमल ने कहा ?कि हमें नयापन लाते रहने की जरूरत है, खेल प्रेमियों की भागीदारी के मामले में बेहतर करते रहने की जरूरत है और मैच के स्तर के मामले में इन्हें बेहतर करते रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब क्रिकेट ओलंपिक का भी हिस्सा बन रहा है और महिलाओं के क्रिकेट में डब्ल्यूपीएल भी इसे अलग स्तर पर ले जा रहा है तो मुझे काफी उम्मीदें हैं। पिछले डेढ़ दशक में आईपीएल के मीडिया अधिकारों की कीमत काफी तेजी से बढ़ी है जो 2008 में 6000 करोड़ रूपए थी। इससे यह दुनिया भर की कई बड़ी खेल लीगों को पछाड़ती जा रही है।

राफेल नडाल नए साल में करेंगे धांसू परफार्म

मैड्रिड (ईएमएस)। स्पेन के टेनिस दिग्गज राफेल नडाल नए साल में धांसू परफार्म करने वाले हैं। गौरतलब है कि वह पीठ और कूल्हे की समस्याओं के कारण एक साल से सर्किट से दूर रहे हैं। अब नए साल में वह एक्शन में लौटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 37 वर्षीय नडाल ने घोषणा की है कि वह जनवरी के पहले सप्ताह में ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में एक्शन में वापस आएंगे। उन्हें अब तक जीते गए 22 ग्रैंड स्लैम में और खिताब जोड़ने की उम्मीद है। नडाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि एक्शन से एक साल दूर रहने के बाद, वापस आने का समय आ गया है। मैं जनवरी के पहले सप्ताह में ब्रिस्बेन में रहूंगा। मैं आपसे वहाँ मिलूँगा। बता दें कि नडाल ने आखिरी बार मेलबर्न में 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेला था, दूसरे दौर के मैच में मैकेंज़ी मैकडोनाल्ड से हार गए थे। जून में, नडाल फ्रेंच ओपन से चूक गए, जिसे उन्होंने रिकॉर्ड 14 बार जीता है। उसके बाद उनकी पीठ व कूल्हे की सर्जरी हुई।

आज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टी 20 मैंच में रहेगी अय्यर और चाहर के प्रदर्शन पर नजर

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा।

मुंबई (ईएमएस)। श्रृंखला में पहले ही अजेय बढ़त हासिल कर चुकी भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को पांचवा और अंतिम टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के दौरे को ध्यान में रखकर श्रेयस अय्यर और दीपक चाहर के प्रदर्शन पर विशेष गौर करेगी। अय्यर ने वनडे वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रायपुर में शुक्रवार को उन्होंने पिछले एक साल से भी अधिक समय में अपना पहला टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। इस मैच में उन्होंने सात गेंद का सामना करके आठ रन बनाए जिसमें कोई बाउंड्री शामिल नहीं है। अय्यर ने कुछ दिन पहले ही वनडे वर्ल्ड कप में इस मैदान पर नीदरलैंड के खिलाफ शतक लगाया था। अय्यर की तरह चाहर ने भी चोटिल होने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद वापसी की है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच उनके अनुकूल नहीं हो सकती है, लेकिन अपनी विविधता पूर्ण गेंदबाजी के कारण चाहर सफलता हासिल कर सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले टीम प्रबंधन ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर को भी इस मैच में मौका दे सकता है। वाशिंगटन भी पिछले कुछ समय से चोट से परेशान हैं। उन्हें अक्षर पटेल की जगह टीम में शामिल किया जा सकता है जिन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। भारत की ओर से बल्लेबाजी में कप्तान सूर्यकुमार यादव, रुतुराज गायकवाड़, रिंकू सिंह, यशस्वी जयसवाल और इशान किशन ने अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले मैच में किशन की जगह खेलने वाले जितेश शर्मा ने भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया। गेंदबाजी में रवि बिश्नोई ने अभी तक सात विकेट लेकर अच्छा प्रदर्शन किया है। दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया की टीम ने अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। उसकी टीम जीत के साथ श्रृंखला का अंत करके स्वदेश लौटना चाहेगी। टीम इस प्रकार हैः

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, इशान किशन, यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, अवेश खान, मुकेश कुमार।

ऑस्ट्रेलियाः मैथ्यू वेड (कप्तान), जेसन बेहरेनडोर्फ, टिम डेविड, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, क्रिस ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, बेन मैकडरमॉट, जोश फिलिप, तनवीर सांघा, मैट शॉर्ट, केन रिचर्डसन।

दक्षिण कोरिया का पहला जासूसी उपग्रह सफलतापूर्वक प्रक्षेपित

सियोल (ईएमएस)। दक्षिण कोरिया ने कैलिफोर्निया में अमेरिकी सैन्य अड्डे से अपना पहला स्वदेशी सैन्य जासूसी उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च किया। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया ?कि उत्तर कोरिया के बढ़ते खतरों के बीच अंतरिक्ष-आधारित खुफिया क्षमताओं के लिए सियोल की खोज की परिणति में सुबह 10.19 बजे प्रक्षेपण के लगभग चार मिनट बाद कक्षा में स्थापित किया गया, और 11.37 बजे एक ग्राउंड स्टेशन के साथ संचार में सफल रहा।

सूत्रों के अनुसार, प्योंगयांग द्वारा पिछले सप्ताह अपने स्वयं के जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण में सफलता का दावा करने के बाद शुक्रवार को वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट के माध्यम से उपग्रह का प्रक्षेपण किया गया।

इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और इन्फ्रारेड (ईओ/आईआर) उपग्रह से शुरुआत करते हुए, दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया की बेहतर निगरानी के लिए वर्ष 2025 तक चार और सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने की योजना बनाई है। इस योजना से दोनों कोरिया के बीच अंतरिक्ष हथियारों की होड़ बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि उत्तर कोरिया ने इस साल की शुरुआत में दो असफल प्रयासों के बाद 21 नवंबर को कक्षा में अपना पहला जासूसी उपग्रह भेजा था और कम समय में और अधिक उपग्रह लॉन्च करने का संकल्प लिया था।

आईपीएल के लिए रजिस्ट्रेशन में होड़, 25 प्लेयर्स ने बेस प्राइस रखी 2 करोड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस समय आईपीएल ऑक्शन करीब आते ही खिलाड़ियों में रजिस्ट्रेशन की होड़ मच गई है। आंकड़ों पर ध्यान दें तो आईपीएल 2024 के लिए 1166 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। इनमें 25 खिलाड़ी दो करोड़ की बेस प्राइस के साथ हैं। बताया जा रहा है ?कि संभवतः इनमें से 77 खिलाड़ियों की खरीदो फरोख्त होने की पूरी संभावना है। इन 1166 खिलाड़ियों में 830 भारतीय, 336 विदेशी प्लेयर्स हैं। इनमें 909 अनकैप्ड, 212 कैप्ड, 45 एसोसिएट खिलाड़ी शामिल हैं। इसके अलावा दो, डेढ़ और एक करोड़ के बेस प्राइस वाले प्लेयर्स की लिस्ट भी निकली हैं। विभिन्न देशों से 2 करोड़ बेस प्राइस वाले प्लेयर्स में भारत से हर्षल पटेल, शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव, केदार जाधव हैं। वहीं इंगलैंड से हैरी ब्रूक, टॉम बैंटन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, डेविड विली, क्रिस वोक्स हैं। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया से पेट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, सीन एबॉट का नाम है। अफगानिस्तान से मुजीब उर रहमान व साऊथ अफ्रीका से जेरार्ड कोइट्जे, रिली रौसोव, रासी वेन दर दूसें शा?मिल हैं। दो करोड़ बेस प्राइज में ही न्यूजीलैंड के लॉकी फाग्र्यूसन, बांगलादेश के मुस्तिफिजुर रहमान तथा श्रीलंका के एजेलो मैथ्यूज ?लिस्ट में हैं।

इसी तरह 1.5 करोड़ बेस प्राइस वाले स्टार खिलाड़ी में मोहम्मद नबी, हेनरिक्स, लिन, केन रिचर्डसन, सैम्स, वॉरॉल, सैम कुरेन, मर्चेंट डी लैंग, क्रिस जॉर्डन, दाविद मालन, मिल्स, फिल साल्ट, कोरी एंडरसन, कोलिन मुनरो, जिमी नीशम, टिम साउथी, इंग्राम, वानिंदु हसरंगा, जेसन होल्डर, रदरफोर्ड का नाम है। वहीं 1 करोड़ रुपए बेस प्राइस वाले खिलाड़ी की ?लिस्ट में एश्टन एगर, रिले मेरेडिथ, डीआर्सी शॉर्ट, एश्टन टर्नर, गस एटकिंसन, सैम बिलिंग्स, माइकल ब्रेसवेल, मार्टिन गुप्टिल, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रीटोरियस, अल्ज़ारी जोसेफ, रोवमैन पॉवेल, डेविड विसे हैं।

50 फ़ीसदी लड़कियां अपनी पसंद से शादी करना चाहती हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। फिन टेक इंडिया लैंडस के एक सर्वे के अनुसार 60 फ़ीसदी लड़कियां अपनी शादी का खर्च स्वयं उठाना चाहती हैं। कामकाजी लड़कियां शादी में अपने स्वयं से कमाई गई रकम से ही शादी करना चाहती हैं। वह अपने मां-बाप के ऊपर बोझ नहीं डालना चाहती हैं। सर्वेक्षण से उजागर हुआ है,इसके लिए लड़कियां स्वयं पर्सनल लोन लेने की बात भी करती हैं। जिस वर्ग के बीच सर्वेक्षण किया गया है।

कीवियों को हरा, बांग्लादेश ने भारत को पछाड़...दूसरे नंबर पर पहुंची

नई दिल्ली (ईएमएस)। बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को 150 रन से रौंदकर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस जीत से मेजबान बांग्लादेश की टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पॉइंट टेबल में खाता खुल गया है। बांग्लादेश की टीम भारत को पछाड़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गई है, जबकि पाकिस्तान पहले नंबर पर मौजूद है। पिछले 23 महीने में बांग्लादेश की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में यह दूसरी जीत है। बांग्ला टाइगर्स ने अपने घर में पहली बार टेस्ट में कीवियों का शिकार किया।

मौजूदा सीजन में बांग्लादेश की टीम पहली बार टेस्ट खेलने उतरी थी। बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को पराजित कर पूरे 100 प्रतिशत अंक हासिल किए। जीत से उसे पूरे 12 अंक हासिल हुए। इस अंक के साथ बांग्लादेश की टीम भारत को पछाड़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। भारतीय टीम ने सीजन में अभी तक दो टेस्ट मैच खेले हैं। विंडीज के खिलाफ टीम इंडिया ने एक टेस्ट ड्रॉ खेला था जबकि एक में उसे जीत मिली थी। 66.67 प्रतिशत और 16 प्वॉइंट के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गया है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में रैंकिंग का निर्धारण जीत प्रतिशत के आधार पर होता है। इसकारण भारतीय टीम को बांग्लादेश ने पछाड़ दिया है। डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में पाकिस्तान की टीम पहले नंबर पर हैं। पाकिस्तान ने इस सीजन में अपने दोनों टैस्ट मैच जीते हैं। पाकिस्तान की टीम 24 अंक हैं और वह 100 प्रतिशत जीत अंक के साथ पहले नंबर पर हैं।

असम में नौकरी के बदले नकद घोटाले मामले में 21 अधिकारी निलंबित

- एसीएस के 10 और एपीएस के 11 अधिकारी शामिल

गोलपारा (ईएमएस)। असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) द्वारा आयोजित की जाने वाली भर्ती परीक्षाओं में नौकरी के बदले नकद घोटाले मामले में कथित संलिप्तता के लिए असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने वरिष्ठ पुलिस कर्मियों सहित 21 उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारियों को निलंबित कर दिया। निलंबित अधिकारियों में असम सिविल सेवा (एसीएस) के 10 अधिकारी और असम पुलिस सेवा (एपीएस) के 11 अधिकारी शामिल हैं। जब पिछले एपीएससी अध्यक्ष राकेश पॉल को नवंबर 2016 में डिब्रूगढ़ में पुलिस ने हिरासत में लिया था तब यह स्पष्ट हो गया था कि एपीएससी द्वारा 2013, 2015 और 2016 में आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) में कथित अनियमितताएं थीं। इसी वर्ष मार्च में उन्हें जमानत पर रिहा किया गया था। उनके पकड़े जाने के बाद कथित संलिप्तता के लिए कम से कम 57 और सरकारी अधिकारियों को हिरासत में लिया गया। मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद हिमंत बिस्वा सरमा ने जांच फिर से शुरू की और 2021 में गुवाहाटी हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बिप्लब कुमार शर्मा के नेतृत्व में एक जांच पैनल की स्थापना की। सीएम सरमा ने आरोपों की अधिक गहनता से जांच करने के लिए पिछले महीने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) स्थापित करने की अनुमति दी थी। हाईकोर्ट को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता वाली एसआईटी से छह महीने में रिपोर्ट मिलेगी।

तालिबानी सरकार को मान्यता दे रहा चीन, राजदूत किया तैनात

-अफगानिस्तान से दो साल के बाद राजन?यिक संबन्ध शुरु करने की को?शिश

काबुल (ईएमएस)। चीन अब धीरे-धीरे ता?लिबान को मान्यता दे रहा है, यही वजह है ?कि उसने ता?लिबान से राजन?यिक संबन्ध शुरु कर ?दिए हैं। ता?लिबान ने यहां अपना राजदूत तैनात कर ?दिया है। गौरतलब है ?कि तालिबान पिछले दो वर्षों से अफगानिस्तान की सत्ता में है। लेकिन दुनिया में उसे मान्यता नहीं मिल पा रही है। इस बीच अब चीन और तालिबान के बीच राजनयिक संबंध शुरू हो गए हैं। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की है कि चीन ने उसके राजनयिक को मान्यता दे दी है। दो पड़ोसियों के बीच संबंध को जियोपॉलिटिक्स में एक महत्वपूर्ण अध्याय के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि चीन की ओर से अभी भी इसकी पुष्टि नहीं की गई है। अगर बीजिंग की ओर से इसकी पुष्टि हो जाती है तो चीन पहला ऐसा देश होगा जो तालिबान के सत्ता में आने के बाद पहली बार तालिबानी राजदूत को अपने यहां ?नियुक्त करेगा। अभी तक चीन या किसी अन्य देश ने अफगान प्रशासन को मान्यता नहीं दी है।

इस संबन्ध में तालिबानी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया ?कि चीनी विदेश मंत्रालय के प्रोटोकॉल ऑफिस के महानिदेशक हांग लेई ने नव नियुक्त राजदूत असदुल्ला बिलाल करीमी से परिचय पत्र स्वीकार किया। होंग ने करीमी के आने को चीन और अफगानिस्तान के बीच सकारात्मक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। तालिबान के बयान के मुताबिक चीन राष्ट्रीय संप्रभुता और अफगानिस्तान के लोगों के फैसले का सम्मान करता है। हम अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करते और न ही अतीत में ऐसा किया है।

इधर करीमी ने चीनी पक्ष को आश्वासन दिया है कि अफगानिस्तान के क्षेत्र से किसी को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा ?कि क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा सभी के हित में है। नए राजदूत युवा और 30-35 वर्ष के हैं। वह हाल तक तालिबान के नेतृत्व वाले सूचना मंत्रालय में उप प्रवक्ता के रूप में कार्यरत थे। चीन ने अफगानिस्तान में फिर से संघर्ष के बढ़ने से रोकने में मदद को कहा है। इससे पहले पिछले सितंबर में चीन ने तालिबान के शासन में पहली बार राजदूत नियुक्त किया था। चीनी सरकार और कंपनियां लगातार अफगानिस्तान में निवेश करने की इच्छा जाहिर कर चुकी हैं। इस कारण पिछले कुछ महीनों में करार भी हुए हैं।

बांग्लादेश और लद्दाख में महसूस किए गए भंकूप के झटके

नई दिल्ली (ईएमएस)। बांग्लादेश और लद्दाख में शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी जानकारी दी है। केंद्र के मुताबिक, बांग्लादेश में सुबह करीब 9 बजे भूकंप आया, जिसके झटके भारत के पश्चिम बंगाल तक महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.6 मापी गई। वहीं सुबह 8 बजकर 25 मिनट पर लद्दाख में भी भूकंप के झटके महसूस हुए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई। राहत की खबर यह है कि इस भूकंप के चलते किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है।

इंग्लैंड ए ने दूसरे टी20 मैच में भारत ए महिला टीम को 4 विकेट से हराया

मुंबई (ईएमएस)। इस्सी वोंग ने 15 गेंद में 35 रन की नाबाद पारी खेलते हुए भारत ए महिला टीम को 4 विकेट से हरा दिया है। इंग्लैंड महिला ए ने दूसरे मुकाबले में शुक्रवार को यहां तीन मैचों की टी20 श्रृंखला को 1-1 से बराबर किया। भारत महिला ए के नौ विकेट पर 149 रन के जवाब में इंग्लैंड की पारी 15वें ओवर में पांचवां विकेट गिरने से लड़खड़ा गई थी लेकिन वोंग ने इसके बाद पांच चौके और एक छक्का जड़ित नाबाद पारी खेलकर सात गेंद शेष रहते टीम की जीत सुनिश्चित की। उन्होंने अपने आखिरी 23 रन सिर्फ सात गेंदों में बनाए। इंग्लैंड को आखिरी दो ओवर में जीत के लिए 17 रन चाहिए थे। वोंग ने काशवी गौतम के खिलाफ दो चौके और एक छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। हालां?कि श्रृंखला का निर्णायक मुकाबला तीन दिसंबर को खेला जाएगा। वोंग की ताबड़तोड़ पारी से पहले ग्रेस स्क्रिवेन्स ने सर्वाधिक 39 रन बनाने के अलावा माइया बाउचर के साथ पहले विकेट के लिए 38 की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।

वहीं बाउचर ने 27 रन की आक्रामक पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। उन्हें भारत की कप्तान मिन्नू मणि (29 रन पर दो विकेट) ने आउट कर दिया। श्रेयंका पाटिल ने इसके बाद शानदार लय में चल रही होली अमितेज (13) को बोल्ड किया। मिन्नू ने इसके बाद स्क्रिवेन्स की 34 गेंद की पारी को खत्म कर टीम को तीसरी सफलता दिलायी। जी दिव्या ने काश्वी की गेंद पर मैडी डिविलियर्स (चार) का शानदार कैच लपका तो वहीं जिन्तिमणि कलिता ने खतरनाक दिख रही फ्रेया कैंप (17) और श्रेयांका ने कप्तान चार्ली डीन (10) को शानदार थ्रो पर रन आउट किया। इन विकेटों का वोंग पर कोई असर नहीं पड़ा।

हनीमून नहीं अब बड़ीमून मनाने का चलन

विदेशों में बदला हनीमून का तरीका

वाशिंगटन (ईएमएस)। यूरोपीय देशों में अब हनीमून का ट्रेंड बदल रहा है। पहले हनीमून में पति-पत्नी अकेले जाते थे। वह अपना समय एक दूसरे के साथ बिताते थे। लेकिन अब यह ट्रेंड बदल रहा है। नव विवाहित जोडा अब अपने साथ दोस्तों और परिवार के लोगों को साथ लेकर हनीमून मनाना चाहते हैं। इसे विदेश में बड़ी मून का नाम दिया गया है।

शादीशुदा युगल, माता-पिता और दोस्तों से दूर रहते हैं। शादी के समय ही सभी लोग एकत्रित होते हैं। ऐसी स्थिति में अब ट्रेंड बदल रहा है। वह अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ ही हनीमून बनाना चाहते हैं।

टूर विशेषज्ञों के अनुसार शादी के शुरुआती चरण में अपने दोस्तों को शामिल करना चाहते हैं। कई ट्रैवल कंपनियों इस तरीके की पैकेज उपलब्ध करा रही हैं। जिसमें छोटे द्वीप या अन्य ऐसे स्थान पर आठ लोगों से लेकर 25-30 लोगों के बीच में बड़ीमून बनाने का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार नव विवाहित दोस्तों की मौजूदगी में सुरक्षा और मस्ती का एहसास करना चाहते हैं। यह स्थिति नए रिश्ते से जुड़ने में और भी मजबूती देने का काम करती है। बहरहाल अब हनीमून के भी ट्रेंड बदलने लगे हैं। यूरोपीय देशों में इसकी शुरुआत हो चुकी है।

भारतीय फैक्ट्रियों में हर दिन होती है 3 श्रमिकों की मौत!

70 प्रतिशत से अधिक मामले इन पांच राज्यों से

नई दिल्ली (ईएमएस)। वर्ष 2021 में फैक्ट्रियों में चोटों से मरने वाले 988 श्रमिकों में से 70 प्रतिशत से अधिक मामले केवल पांच राज्यों में दर्ज हुए थे। बता दें कि यहां वर्ष 2022 और 2023 की बात इसकारण नहीं हो रही हैं, क्योंकि इस तरह का ताजा डेटा साल 2021 तक के लिए ही उपलब्ध है। वर्ष 2021 में मोदी सरकार के साथ रजिस्टर्ड फैक्ट्रियों में कम से कम 3,791 कर्मचारी घायल हुए। श्रम और रोजगार मंत्रालय के महानिदेशालय फैक्टरी सलाह सेवा और श्रम संस्थान के आंकड़ों के अनुसार, अनुमानित रूप से इसमें से एक-चौथाई चोटों के कारण मौतें हुईं। वर्ष 2017 में कार्यस्थल पर चोटों के कारण कम से कम 1,084 फैक्ट्री श्रमिकों की मृत्यु हो गई। 2021 के आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है कि हर दिन फैक्ट्रियों में तीन श्रमिकों की मौत चोटों से होती है। 2021 में गुजरात में ऐसी 235 मौतें दर्ज की गईं, महाराष्ट्र में 180, तमिलनाडु में 147, आंध्र प्रदेश में 65 और छत्तीसगढ़ में 82 मौतें हुईं।

हालांकि घायल होने वाले फैक्ट्री श्रमिकों की संख्या में कमी आई है, लेकिन पिछले पांच वर्षों में घातक चोटें बढ़ी हैं। वर्ष 2017 में, कम से कम 18 प्रतिशत चोटों के कारण मौतें हुईं। ऑन-साइट श्रमिकों की मृत्यु में घातक चोटें की हिस्सेदारी तब से बढ़कर 26 फीसदी हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि काम से संबंधित दुर्घटनाओं और बीमारियों के कारण सालाना लगभग 30 लाख मौतें होती हैं। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2012 और 2021 के बीच भारतीय फैक्ट्रियों में फिसलन और चोटों के परिणामस्वरूप 2,100 से अधिक लोगों की जान चली गई। मौतों के अन्य कारणों में मकैनिक्ल पावर से चलती मशीनें, विस्फोट और कार्यस्थल में आग शामिल हैं। भारत में 2017 में राज्य-नियोजित फैक्ट्री निरीक्षकों के लिए कुल स्वीकृत पदों में से लगभग 29 प्रतिशत खाली थे।

ऋतुराज गायकवाड़ ने टी20 में तोड़ा कोहली का रिकॉर्ड, पूरे किए 4 हाजर रन

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने टी20 में ?विराट कोहली का ?रिकार्ड तोड़ ?दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रायपुर में खेले गए चौथे टी20 मैच में 28 गेंदों पर 3 चौकों और एक छक्के की मदद से 32 रन की पारी खेली। भारत ने इस मुकाबले को 20 रन से अपने नाम किया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने 5 मैचों की टी20 सीरीज पर भी कब्जा कर लिया। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 9 विकेट पर 174 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 7 विकेट पर 154 रन ही बना सकी। 26 वर्षीय दाएं हाथ के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने इस मैच में टी20 क्रिकेट में अपने 4000 रन भी पूरे कर लिए। गायकवाड़ टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 4 हजारी बनने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने इस दौरान विराट कोहली और केएल राहुल को भी पीछे छोड़ ?दिया। गायकवाड़ ने 116 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। केएल राहुल ने 117 जबकि विराट कोहली ने 138 पारियों में 4 हजार का आंकड़ा छूआ था।

टी20 क्रिकेट में ओवरऑल सबसे तेज 4000 रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में ऋतुराज गायकवाड़ न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे के साथ ज्वॉइंट रूप से चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। इस लिस्ट में विंडीज के क्रिस गेल टॉप पर हैं। गेल ने यह कीर्तिमान 107 पारियों में बनाया था। गायकवाड़ से आगे शॉन मार्श और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम हैं। ऑस्ट्रेलिया के शॉन मार्श ने 113 जबकि बाबर ने 115 पारियों में यह मुकाम हासिल किया। ऋतुराज गायकवाड़ के 121 टी20 मैचों में 4025 रन हो गए हैं। उन्होंने 18 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 490 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 123 रन रहा है।

मैक्सिको की संसद में दिखाई गई लाश के डीएनए रिपोर्ट ने उड़ा दिए होश

न्यू मैक्सिको (ईएमएस)। हाल ही में मैक्सिको की संसद में दिखाए गए एलियन की लाश को लेकर फिर चर्चा होने लगी है। डीएनए विश्लेषण के बाद साफ हो गया है कि ये डेड बॉडी किसी इंसानी प्रजाति की नहीं, बल्कि यह पूरी तरह से अज्ञात है, क्योंकि परीक्षण इंसानों के डीएनए से बिल्कुल मेल नहीं खाता है। बता दें कि जाने-माने यूएफओ विशेषज्ञ जैमे मौसन ने दावा किया था कि उन्हें पेरू में एक ममीकृत एलियन के अवशेष मिले हैं, जो दूसरे ग्रह से आया है।

मौसन द्वारा लाई गई शोधकर्ताओं की टीम ने अवशेषों पर डीएनए परीक्षण किया, जिससे पता चला कि 30 प्रतिशत डीएनए अज्ञात है और किसी भी ज्ञात प्रजाति से मेल नहीं खाता है। मौसन का दावा है कि ये निष्कर्ष इन अवशेषों के लिए सबूत है कि ये दूसरे प्रजाति हैं, जो किसी दूसरे ग्रह से आए हैं। हालांकि, शेष 70 प्रतिशत डीएनए संरचना का खुलासा नहीं किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, शवों का नाम क्लारा और मौरिसियो है। नेशनल ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैक्सिको (यूएनएएम) द्वारा इनकी कार्बन डेटिंग की गई, जिससे पता चला कि वे 1,000 साल से अधिक पुराने हैं, उनके तीन अंगुली वाले हाथ हैं और उनके दांत नहीं हैं। मौसन ने बताया कि ये प्रजाति हमारी धरती की नहीं है, यह डायटम खदानों में पाए गए थे, जो बाद में जीवाश्म बन गए। उन्होंने कहा, 'वे एलियंस हैं या नहीं, हम नहीं जानते, लेकिन वे बुद्धिमान थे और वे हमारे साथ रहते थे। वहीं, वैज्ञानिकों का कहना है कि यह एक प्रचार तंत्र है। दुनिया में एलियंस का कोई वजूद नहीं है। लाश दिखाए जाने पर वैज्ञानिकों ने दावा किया कि यह प्रचीन डमी हो सकती हैं, जो किसी खास अनुष्ठान के लिए जानवरों की लाशों और अल्पाका खोपड़ी से मिलाकर बनाई गई है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 597.93 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 597.93 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल मुद्रा भंडार 5.07 अरब डॉलर बढ़कर 595.39 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.14 अरब डॉलर बढ़कर 528.53 अरब डॉलर हो गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा था लेकिन पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुए दबाव के बीच आरबीआई ने रुपये की विनिमय दर में गिरावट को रोकने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। गोल्ड कलेक्शन का मूल्य 29.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.34 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.22 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 1.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.85 अरब डॉलर हो गया।

अप्रैल-नवंबर के दौरान 1.2 लाख नई कंपनियां बनीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान 1.2 लाख से अधिक नई कंपनियां पंजीकृत हुईं। यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले अधिक है। ताजा आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। कंपनी कानून लागू करने वाले कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2023-24 में अप्रैल-नवंबर के दौरान 37,482 सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी) पंजीकृत हुईं। मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि इस दौरान 1,22,317 कंपनियां पंजीकृत हुईं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 1,15,233 कंपनियां गठित हुईं थीं।

ईडी ने शाइन सिटी मालिक के सहयोगी को गिरफ्तार किया

- रियल एस्टेट कंपनी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईडी ने कंपनी द्वारा की गई धोखाधड़ी से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच में रियल एस्टेट कंपनी शाइन सिटी के फरार मालिक के एक सहयोगी को गिरफ्तार किया है। ईडी ने कहा कि उसने अभिषेक कुमार सिंह को गिरफ्तार किया है, जो उत्तर प्रदेश स्थित रियल एस्टेट कंपनी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में फरार आरोपी रशीद नसीम को अपराध की आय को इकट्ठा करने, छुपाने और काले धन को वैध बनाने में सक्रिय रूप से सहायता कर रहा था। ईडी ने कहा कि अभिषेक कुमार सिंह को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया था। ईडी का मामला उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा नसीम और शाइन सिटी ग्रुप ऑफ कंपनीज के खिलाफ दर्ज की गई लगभग 250 एफआईआर पर आधारित है, जिसमें उन्होंने निवेश पर भारी रिटर्न का वादा किया और 800-1,000 करोड़ रुपये एकत्र किए और अंतत धोखाधड़ी करके लोगों को धोखा दिया। एजेंसी ने कहा कि उसकी जांच से पता चला है कि ऐसे कई एजेंट थे जो निवेशकों को लुभाने के लिए कंपनी के लिए काम कर रहे थे और अपराध की आय उत्पन्न करने में नसीम और शाइन सिटी की मदद की थी। ईडी ने कहा ?कि ईडी की जांच में पाया गया कि अपराध की आय विभिन्न अन्य कंपनियों और व्यक्तियों को हस्तांतरित की गई थी। मुख्य एजेंटों में से एक सिंह ने अपराध की आय हासिल की और अपराध की आय को इकट्ठा करने, छुपाने और वैध बनाने में नसीम की सक्रिय रूप से सहायता कर रहा था। शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश लखनऊ के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे 6 दिसंबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया।

मोसाद को मिला टॉस्क...दुनिया में कही छुपे हो हमास के नेता उन्हें मार दे

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दिया आदेश

तेलअवीव (ईएमएस)। इजरायल गाजा में जारी लड़ाई के बीच अब दुनिया के विभिन्न देशों में छुपे बैठे हमास के नेताओं को चुन-चुनकर मारने की योजना बना रहा है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इजरायली खुफिया एजेंसियों को हमास नेताओं की हत्या का आदेश दिया गया है, ताकि वे यहूदी देश पर 7 अक्टूबर जैसा हमला दुबारा कभी न कर सकें। हमास के ज्यादातर टॉप नेता कतर और लेबनान जैसे खाड़ी देशों में निर्वासन में रह रहे हैं। इसके बाद इन नेताओं के खात्मे के लिए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायली खुफिया एजेंसियों को गाजा के बाहर हमास के शीर्ष नेताओं की हत्या का टास्क दिया है।

दरअसल इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद अपने इसतरह के गुप्त आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए जाना जाता है। 1970 के दशक में भी मोसाद म्यूनिख ओलंपिक नरसंहार में शामिल 'फिलिस्तीनी चरमपंथियों' की हत्या का अभियान चलाया था, जो करीब एक साल तक चला। वहीं मोसाद पर हाल के वर्षों में फिलिस्तीनी चरमपंथियों और ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों की दूसरे देशों में हत्या कराने का इल्जाम भी लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ लोगों ने 7 अक्टूबर के हमले के बाद इजरायल से हमास नेता खालिद मेशाल और अन्य की तुरंत हत्या करने का आह्वान किया है। नेतन्याहू ने भी नवंबर के अंत में अपने एक भाषण में विदेश में छुपे हमास नेताओं की हत्या के लिए इजरायल की योजनाओं का संकेत दिया था।

नेतन्याहू ने कहा था कि उन्होंने खुफिया एजेंसी मोसाद को गाजा के बाहर अन्य देशों में रहने वाले हमास के नेतृत्व का पता लगाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, मैंने मोसाद को हमास के प्रमुखों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, चाहे वे कहीं भी हों। हालांकि प्रधानमंत्री द्वारा खुलेआम ऐसा कहने से कई अधिकारी भड़क गए थे, क्योंकि वह अपने पूरे मिशन को गुप्त रखना चाहते थे। हालांकि, ऐसी किसी मुहिम से कतर या तुर्की की धरती पर ऐसा करने से बंधकों को मुक्त कराने के राजनयिक प्रयासों में रोड़ा पड़ सकता था और यही सोचकर को इस प्लान को टाल दिया गया था।

यूक्रेन जंग के बीच रुस में राष्ट्रपति चुनाव के लिए तैयार शुरु

पुतिन फिर से चुनाव लड़ने को लेकर संशय

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन में संघर्ष के बीच, रूस में नए राष्ट्रपति के लिए मार्च 2024 में चुनाव होने है। इस दौरान फोकस इस पर है कि क्या निवर्तमान व्लादिमीर पुतिन फिर से चुनाव लड़ने को तैयार है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि क्या किसी अन्य नेता के उभरने का मतलब नीतियों में बड़ा बदलाव होगा।कानून के तहत, रूसी राष्ट्रपति चुनाव मार्च के मध्य में होने हैं। संसद के ऊपरी सदन फेडरेशन काउंसिल द्वारा चुनाव से 90 से 100 दिन पहले लगभग 8 से 18 दिसंबर के बीच तारीख की घोषणा करने की उम्मीद है।2020 के संवैधानिक संशोधन के बाद ये पहला चुनाव होगा, जिसमें दो राष्ट्रपति पद की सीमा तय की गई है, लेकिन पूर्वव्यापी रूप से नहीं, इस तरह पुतिन को 2024 और यहां तक कि 2030 में भी चुनाव लड़ने की अनुमति मिलेगी। घोषित या संभावित उम्मीदवारों की वर्तमान श्रृंखला को देखते हुए इन चुनावों में पहले प्रावधान की संभावना बहुत कम लगती है, जब तक कि पुतिन 1999 में अपने पूर्ववर्ती बोरिस येल्तसिन के पैंतरे को दोहराते नहीं हैं।

1998 में प्रधानमंत्री के रूप में अपनी पसंदीदा पसंद विक्टर चेर्नोमिर्डिन को पुनः स्थापित करने में विधायिका द्वारा विफल किए जाने पर, येल्तसिन ने अगस्त 1999 में सरकार के प्रमुख के रूप में पुतिन, जो उस समय घरेलू खुफिया एजेंसी के प्रमुख थे, को चुनने से पहले इस पद के लिए तीन उम्मीदवारों को चुना था। येल्तसिन ने साल के अंत में अप्रत्याशित रूप से इस्तीफा दे दिया, जिससे पुतिन, उनके गुप्त नियोजित उत्तराधिकारी, शीर्ष पद पर पहुंच गए। पुतिन, जिन्होंने घोषणा की है कि चुनाव के औपचारिक ऐलान होने के बाद तय करूंगा, कि वह अपने पांचवें कार्यकाल के लिए चुनाव लडने वाले हैं या नहीं। हालांकि सूत्रों से संकेत मिलता है कि वह चुनाव लड़ने को तैयार हैं। उनके पहले राष्ट्रपति कार्यकाल (2000-08) के अंत में उनके चुने गए उत्तराधिकारी दिमित्री मेदवेदेव थे, जिन्हें वे सोवियत काल के बाद सेंट पीटर्सबर्ग से जानते थे, जो 2000 से उनके प्रशासन से जुड़े थे, और 2008 के चुनावों से कुछ महीने पहले उन्हें उम्मीदवार के रूप में घोषित किया गया था।

गौरतलब है कि मेदवेदेव ने पुतिन के साथी केजीबी सहयोगी सर्गेई इवानोव को पछाड़ दिया, जिन्हें एक मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा था।यदि पुतिन की इस बार कोई प्राथमिकता है, तब यह एक गुप्त रहस्य बना हुआ है, हालांकि रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु, एसवीआर निदेशक सर्गेई नारीश्किन, उप प्रधान मंत्री अलेक्जेंडर नोवाक, मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन, मेदवेदेव और उनके सर्कल के कुछ अन्य लोगों के नामों पर अटकलें लगाई गई हैं।नीति परिवर्तन के दूसरे सवाल पर, भले ही पुतिन बैटन सौंप दें या किसी चमत्कार से कोई बाहरी जीत हासिल कर लें, संभावनाएं बहुत कम हैं।एलेक्सी नवलनी के जेल में होने और राजनीति से अयोग्य घोषित होने के बाद, सामाजिक उदारवादी रूसी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी याब्लोको के अंतिम उम्मीदवार या सेंटर-राइट डेमोक्रेटिक सिविक इनिशिएटिव के उम्मीदवार बोरिस नादेजदीन, जिन्होंने यूक्रेन युद्ध के खिलाफ आवाज उठाई, अन्य उम्मीदवार हैं जो वैकल्पिक नीति की पेशकश कर सकते हैं।

खेड़ा घोटाला वडोदरा तक फैला

नकली सैनिटाइजर, नकली शराब बनाने वाला निकला असली मास्टरमाइंड

आरोपी योगेश सिंधा ने खुलासा किया कि वह वडोदरा के नितिन कोटवानी से नशीला सिरप लाया था ।

नडियाद, २ दिसंबर । ५ लोगों की जान लेने वाले खेड़ा सिरप कांड का वडोदरा कनेक्शन सामने आया है । खुलासा हुआ है कि आरोपी वडोदरा से सिरप लेकर आए थे । हत्याकांड में वडोदरा के आरोपी का नाम सामने आया है । सिरपकांड में नितिन कोटवानी की संलिप्तता सामने आई है । नितिन कोटवानी पहले भी डुप्लीकेट सैनिटाइजर में पकड़े जा चुके हैं । फिर पुलिस वडोदरा से आरोपी को पकड़ने के लिए दौड़ने लगी । पुलिस को आरोपी की वर्तमान लोकेशन मुंबई में मिली है ।

खेड़ाणा सिरप कांड को लेकर वडोदरा पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत ने बताया कि खेड़ाणा सिरप कांड में वडोदरा में पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम सामने आ गए हैं । इसके लिए खेड़ा पुलिस ने वडोदरा पुलिस से मदद मांगी है । वडोदरा पुलिस के तमाम अधिकारी आरोपियों की तलाश में जुटे हुए हैं । नितिन कोटवानी पहले वडोदरा में डुप्लीकेट सैनिटाइजर और शराब की फैक्ट्री चलाते थे । यह आरोपी फिलहाल वडोदरा में नहीं रह रहा है, लेकिन आरोपी नितिन की लोकेशन पहले लूनावाड़ा में थी, अब उसके मुंबई में होने की बात सामने आई है । वडोदरा पुलिस सभी मेडिकल स्टोर, गोदाम, पान की दुकान और गल्ला की जांच कर रही है । पुलिस कमिश्नर ने अवैध रूप से सिरप बेचने वाले लोगों को कड़ी चेतावनी दी है । नडियाद सिरप कांड में पकड़ा गया आरोपी वडोदरा का बताया गया है । अप्रैल २०२१ में आरोपी नितिन कोटवानी के विरूद्ध नकली सेनिटाइजर बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई । जिसमें लाखों की संख्या में नकली सैनिटाइजर और कच्चा माल जब्त किया गया । वह गोरवा झील के पास शिवभक्ति फ्लैट में रह रहा था, जिसके बाद आरोपी ने घर बेच दिया और मुंबई चला गया । दिसंबर २०२१ में सांकरदा गांव से नकली शराब की फैक्ट्री पकड़ी गई थी ।

इस मामले में फैक्ट्री मालिकों से पूछताछ में पता चला कि उन्होंने आयुर्वेदिक सिरप बनाने का लाइसेंस लिया था, लेकिन सिरप में अल्कोहल की मात्रा पाई गई । आगे की जांच में पता चला कि नकली शराब बनाने की योजना वडोदरा जेल में बनाई गई थी । वह जेल में बिश्नोई गिरोह के सागरिटोस के संपर्क में आया और उसे यह विचार दिया । लाखों की रकम और मशीनरी उपकरण बरामद किये गये । ऐसी ही नशीली सिरप राजकोट से पकड़ी गई थी । खेड़ा में आयुर्वेदिक सिरप घोटाले के संबंध में नडियाद ग्रामीण पुलिस स्टेशन में ५ लोगों के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज की गई है । खेड़ा एसओजी पीआई डीएन चुडास्मा में शिकायतकर्ता बन गए हैं । सभी आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है ।

अरवल्ली, महीसागर अमरेली समेत कई जिलों में दो दिन बेमौसमी बारिश की संभावना

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में ठंड के बीच मौसम का मिजाज बदल रहा है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते हाल ही में राज्य के ज्यादातर जिलों में तेज हवा और गरज के साथ बेमौसमी बारिश हो चुकी है। मौसम विभाग ने फिर एक बार दो दिन राज्य कुछ जिलों में बेमौसमी बारिश की संभावना व्यक्त की है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिम दिशा की हवा और नमी के कारण बारिश की संभावना है। दो दिन बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री गिरावट आएगी। न्यूनतम और अधिकतम तापमान घटेगा और 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। दूसरी ओर मौसम के जानकार अंबालाल पटेल की मानें तो 2 से 4 दिसंबर के दौरान बंगाल के उपसागर में भारी चक्रवात आएगा और 8 दिसंबर तक इसका जोर रहेगा। चक्रवात के कारण दक्षिण-पूर्वी क्षेत्रों में बारिश होगी। नमीयुक्त हवा पश्चिमी विक्षोभ में मर्ज हो जाएंगी और आसमान में बादलों का जमावडा होगा। जिसकी वजह से तेज हवा और ओले के साथ बारिश हो सकती है। उत्तर के पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बर्फबारी होगी। इस ट्रफ के कारण गुजरात में 1 से 5 दिसंबर के दौरान मौसम बदलेगा और कई जगह बेमौसमी बारिश हो सकती है।

एक डोक्टर ऐसा भी जो प्रैक्टिस के बाद पानी पुरी भी खिलाता है और चाय पिलाता

पंचमहल (ईएमएस) वैसे तो पानी पुरा पेट के रोगों को न्यौता देती है और उसके उपचार के लिए हम डोक्टर के पास जाते हैं लेकिन एक डोक्टर ऐसा भी है जो इलाज के साथ पानी पुरी भी परोसता है। पंचमहल जिले के गोधरा में एक होम्योपैथिक डोक्टर जिनके पास डिग्री होने के बावजूद एक सामान्य व्यक्ति बनकर अपने टेलेंट का उपयोग कर आम लोगों की सेवा कर रहे हैं। डोक्टर अपनी प्रैक्टिस के बाद टी स्पोट और पानी पुरी की दुकान पर पहुंच जाते हैं हांलाकि टी स्पोट और पानी पुरी का व्यवसाय डोक्टर कमाई के उद्देश्य से नहीं बल्कि लोगों को गुणवत्तायुक्त पानी पुरी खिलाना है। पंचमहल जिले के गोधरा निवासी और मोरवा हडफ में क्लीनिक चलानेवाले डॉ. महेन्द्रसिंह परमार पिछले 17 वर्ष से चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। क्लीनिक में आनेवाले मरीजों की कई तकलीफ और उन्हें पानी पुरी खाने के शौक ने डॉ. महेन्द्रसिंह परमार को कुछ अलग करने को मजबूर कर दिया। डॉ. महेन्द्रसिंह ने गोधरा के निकट परवडी बायपास पर एक दुकान किराये पर ले ली, जहां पानी पुरी और चाय की दुकान के साथ डोक्टर का बी बोर्ड लगा दिया। यह बोर्ड वहां से गुजरने वाले लोगों में आकर्षण का केन्द्र बन गया। आमतौर पर डोक्टर के बोर्ड में उसकी डिग्री का उल्लेख होता है। लेकिन डोक्टर के साथ ही पानी पुरी और चाय की दुकान देख हैरान लोग वहां पहुंच जाते और पानी पुरी का चटखारा और चाय का जायका लेते। डॉ. महेन्द्रसिंह परमार के मुताबिक पानी पुरी और चाय की दुकान शुरू करने का मकसद कमाई नहीं बल्कि समय का उपयोग कर होम्योपैथिक उपचार के बारे में लोगों को जागृत करना है। साथ ही लोगों को गुणवत्तायुक्त पाणी पुरी खिलाना और चाय पिलाना है।

एक को ३ दिन से सीने में दर्द हो रहा था

सूरत में सीने में दर्द के बाद दो और लोगों की अचानक मौत हो गई

ठंड के मौसम में कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इस मौसम में कोलेस्ट्रॉल सख्त होकर नसों में जमा हो जाता है ।

सूरत, २ दिसंबर । सूरत शहर में सीने में दर्द के बाद दो और लोगों की अचानक मौत हो गई । दोनों की मौत संभवतः दिल का दौरा पड़ने से हुई है. अमरेली के न्यू हलपतिवास निवासी २४ वर्षीय जयकुमार संतोष पटेल की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई । मृतक जय तीन दिन से सीने में दर्द से परेशान था । यह सोचकर कि यह एसीटीडी है, जयकुमार ने घर पर दवा ले ली । रात को जमीन पर सोने के बाद वह अगले दिन नहीं उठे. परिजनों ने उसे उठाया लेकिन वह नहीं उठा और इलाज के लिए स्मीमेर ले जाया गया । जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया । हजीरा में ४२ साल के अशोक सिंह भागीरथ सिंह की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई. मृतक हजीरा के एक स्टेशन पर सुरक्षा गार्ड था ।

गुरुवार की दोपहर करीब एक बजे अशोक सिंह को सीने में दर्द होने लगा. इसलिए उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया । जहां इलाज के दौरान शाम को उसकी मौत हो गई । आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है । ठंड के कारण कई बीमारियाँ बढ़ जाती हैं ।

इस मौसम में कोलेस्ट्रॉल सख्त होकर नसों में जमा हो जाता है । जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है । ऐसे में खराब कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित मरीजों को सर्दियों में ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है । ऐसे मरीज इस मौसम में ७ बातों का ध्यान रखकर अपनी सेहत का ख्याल रख सकते हैं । यदि आप स्ट्रोक और दिल के दौरे के जोखिम को कम करना चाहते हैं तो बीपी को नियंत्रण में रखना सर्वोपरि है । आहार में नमक कम करें और फल, हरी सब्जियां और सलाद की मात्रा बढ़ा दें । नियमित रूप से व्यायाम करना न भूलें । धूम्रपान, शराब, तंबाकू का सेवन स्ट्रोक के खतरे को कई गुना बढ़ा सकता है । ऐसे में शराब, सिगरेट या किसी भी नशे के सेवन से बचें । इसके अलावा, त्वरित ऊ र्जा पेय या सोडा से बचें । दिन में केवल ३० मिनट वर्कआउट करें । किसी भी तरह की हार्डकोर एक्सरसाइज से बचें । सुबह की सैर या सीढ़ियाँ चढ़ना जैसे व्यायाम फायदेमंद साबित हो सकते हैं । साइकिल चलाना, जॉगिंग जैसे एरोबिक व्यायाम भी फायदेमंद साबित हो सकते हैं । रक्त में एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने न दें । अन्यथा, वे नसों में जमा हो सकते हैं और रक्तपरिसंचरण को बाधित कर सकते हैं । इसलिए, कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए आप सुबह खाली पेट कच्चा लहसुन और मेथी खाना शुरू कर सकते हैं ।

आपका शरीर अभी किस स्तर पर कार्य कर रहा है? इसमें कोई दिक्कत नहीं है । इसके लिए डॉक्टर की सलाह पर अपना शुगर, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाएं । किसी भी तरह की समस्या दिखने पर डॉक्टर से सलाह लें । अगर आपको दिल की बीमारी है या स्ट्रोक जैसी चोटों का सामना करना पड़ा है तो सर्दी के मौसम में जागने की जरूरत नहीं है । तापमान सामान्य होने पर ही बिस्तर छोड़ें ।

पूरे मामले में गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज

युवती ने मारपीट के बाद स्पा मालिक के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई

अपना बकाया वेतन मांगने के लिए स्पा सेंटर के मालिक के पास गई, जिस पर महिला और स्पा मैनेजर के बीच झगड़ा हो गया : महिला पर हाथ उठाया ।

सूरत, २ दिसंबर । कुछ समय पहले डायमंड सिटी सूरत के एक स्पा सेंटर के मैनेजर द्वारा महिला कर्मचारी की पिटाई का वीडियो सामने आया था । इस मामले में लड़की ने रेप की शिकायत दर्ज कराई है । स्पा मालिक पीयूष गांधी ने युवती को शादी का झांसा दिया और उसके साथ संबंध बनाए और उसे बिजनेस पार्टनर भी बना लिया । फिलहाल पाल पुलिस पूरे मामले में आरोपी पीयूष गांधी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज कर दी है ।

सूरत के पाल इलाके में एक महिला कर्मचारी एक स्पा सेंटर में काम कर रही थी, लेकिन काम छोड़ने के बाद वह अपना बकाया वेतन मांगने के लिए स्पा सेंटर के मालिक के पास गई, जिस पर महिला और स्पा मैनेजर के बीच झगड़ा हो गया । महिला पर हाथ उठाया, जिसका वीडियो वायरल हो गया महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने स्पा मैनेजर के खिलाफ शिकायत दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है । घटना के बारे में विस्तार से बात करें तो दो दिन पहले एक महिला कर्मचारी अपना बकाया वेतन लेने के लिए सूरत के पाल इलाके में भाग्यरत्न शोपिग सेंटर में चल रहे पीपुल्स वेलनेस स्पा सेंटर में गई थी, इसी दौरान उसका स्पा मैनेजर से झगड़ा हो गया ।

पीयूष गांधी ने महिला को थप्पड़ मारा, घटना का वीडियो वायरल हो गया, पुलिस ने महिला कर्मचारी की शिकायत दर्ज की और पीयूष गांधी को हिरासत में लिया और कानूनी कार्रवाई की । सूरत पुलिस के मुताबिक, महिला पहले इसी स्पा सेंटर में काम करती थी, उसकी कुछ सैलरी बकाया थी, लेकिन स्पा मैनेजर पीयूष गांधी ने उसे पैसे देने से इनकार कर दिया और उसके साथ दुर्व्यवहार किया, अब महिला की शिकायत के बाद पीयूष गांधी ने गिरफ्तार कर लिया गया है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है बता दें कि इससे पहले अहमदाबाद में भी ऐसी ही घटना सामने आई थी, जिसमें अहमदाबाद के सिंधु भवन रोड पर एक स्पा सेंटर के मालिक ने सुबह-सुबह एक महिला कर्मचारी की पिटाई कर दी थी, जिसका वीडियो वायरल हो गया था । पुलिस ने महिला कर्मचारी को शिकायत दर्ज करने के लिए मनाया और उसकी शिकायत लेकर उसे विश्वास में लेते हुए स्पा मैनेजर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की और गिरफ्तार कर लिया ।

पिता-पुत्री के पवित्र रिश्तों को लांछन, जिसे गोद में खिलाया उसी के साथ 6 महीने किया दुष्कर्म

राजकोट (ईएमएस) मौजूदा अत्याधुनिक युग इंसान ने रिश्तों की मर्यादा ताक पर रख दी है। पिता-पुत्री, भाई-बहन से जैसे पवित्र रिश्तों की कोई अहमियत नहीं रह गई है। कोई कल्पना नहीं कर सकता कि जिस बेटी को पिता ने गोद में खिलाया था, उसी के साथ दुष्कर्म भी कर सकता है। राजकोट के उपलेटा से ऐसी एक घटना सामने आई है, जिसमें पिता अपनी नाबालिग सगी बेटी के साथ 6 महीने तक दुष्कर्म करता रहा। पाटणवाव पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। घटना राजकोट जिले की उपलेटा तहसील के लाठ गांव की है। जिसमें एक पिता अपनी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ 6 महीने तक दुष्कर्म करता रहा। पिता के डर की वजह से बेटी किसी से शिकायत भी नहीं कर पा रही थी। लेकिन दादी ने अपने बेटे के दुष्कर्मों का भांडा फोड़ दिया और पाटणवाव पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवा दी। पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ 376 और पोक्सो के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। जांच में खुलासा हुआ कि लाठ गांव में दंपत्ति बेटी के साथ रहता था। पत्नी की मौत के बाद पति ने दूसरी शादी कर ली और उससे दो बेटियां हुई। हांलाकि किन्हीं कारणों से दूसरी पत्नी अपनी दोनों बेटियों के साथ घर छोड़कर चली गई। दूसरी पत्नी के चले जाने के बाद आरोपी की पहली पत्नी से हुई नाबालिग बेटी पर नियत खराब हुई। करीब 6 महीने पहले बेटी जब घर में अकेली थी तब आरोपी ने पहली बार उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर यह सिलसिला शुरू हो गया। 6 महीने तक एक पिता अपनी नाबालिग बेटी का शरीर नोंचता रहा। एक दिन अचानक दादी वहां पहुंच गई और बेटे को पोती के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख चौंक उठी। घटना को लेकर बेटे ने अपनी माता के साथ झगडा भी किया। जिसके बाद दादी अपनी पोती को लेकर सीधे पाटणवाव पुलिस थाने पहुंच गई और अपने बेटे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। सगी बेटी के साथ पिता की करतूत सुनकर पुलिस भी चौंक उठी। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने तुरंत आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सिंगापुर में, माइक्रोन प्लांट का किया दौरा

- मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सिंगापुर में माइक्रोन प्लांट का दौरा किया

साणंद में माइक्रोन प्लांट स्थापित करने के सम्बंध में माइक्रोन फ़ैसिलिटी के वरिष्ठ अग्रणियों के साथ चर्चा

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने सिंगापुर दौरे के दूसरे और अंतिम दिन सिंगापुर में स्थित माइक्रोन के असेंबली और टेस्टिंग प्लांट का दौरा किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गुजरात प्रतिनिधिमंडल के साथ शनिवार सुबह इस प्लांट पर पहुंचे और प्लांट का दौरा किया। मुख्यमंत्री के इस दौरे के दौरान माइक्रोन के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें मैन्युफ़ैक्चरिंग प्रोसेस की जानकारी दी। माइक्रोन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री और गुजरात प्रतिनिधिमंडल को गुजरात के साणंद में माइक्रोन द्वारा स्थापित किए जा रहे सेमीकंडक्टर प्रोडक्शन प्लांट के संबंध में भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सिंगापुर प्लांट के दौरे के दौरान बातचीत में भारत में एकमात्र गुजरात द्वारा बनायी गयी अपनी विशिष्ट सेमीकंडक्टर नीति का विवरण दिया। यहां यह जानना जरूरी है कि सेमीकंडक्टर सहित ग्रीन हाइड्रोजन, ई-मोबिलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने वाला वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट-2024 गेट वे टू द फ्यूचर थीम के साथ आयोजित किया जाना है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री व गुजरात प्रतिनिधिमंडल का माइक्रॉन असेंबली एवं टेस्टिंग प्लांट में यह दौरा उपयोगी बनेगा। मुख्यमंत्री के साथ इस दौरे में मुख्य सचिव राज कुमार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव पंकज जोशी, उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. जे. हैदर और गुजरात प्रतिनिधिमंडल के सदस्य सहभागी हुए।

गुजरात में पिछले छह माह के दौरान राज्य में दिल का दौरा पड़ने से कुल 1,052 लोग जान गंवाई

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में पिछले छह माह के दौरान राज्य में दिल का दौरा पड़ने से कुल 1,052 लोगों ने जान गंवाई है। इनमें से 80 फीसदी 11 से 25 आयु वर्ग के थे। राज्य के शिक्षा मंत्री कुबेर डिंडोर ने शुक्रवार को कहा कि ने बताया कि दिल का दौरा पड़ने के मामलों को देखते हुए लगभग दो लाख स्कूल शिक्षकों और कॉलेज प्राध्यापकों को 'कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (एईं) का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कुबेर डिंडोर ने गांधीनगर में संवाददातों से कहा, ''गुजरात में पिछले छह माह में दिल का दौरा पड़ने से 1,052 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से लगभग 80 फीसदी 11 से 25 वर्ष के थे और इन छात्रों और युवाओं में मोटापे की शिकायत भी नहीं थी। 108 नंबर एम्बुलेंस सेवा को हृदय रोग संबंधित 173 कॉल प्रति दिन औसतन प्राप्त होती हैं।

गोदरेज कैपिटल निर्माण ने अपनी पेशकश बढाईः एमएसएमई को आगे बढने में मदद करने के लिए डीबीएस बैंक इंडिया बीजा और अमेजन के साथ की साझेदारी

(प्रतिनिधि)वडोदरा.दि.1

भारतीय कारोबारी में अपनी 125 वर्षों से अदिक के समृद्ध इतिहास के साथ गोदरेज समूह, एमएसएमई के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है। राष्ट्र-निर्माण के परिद्रश्य में निहित और गोदरेज ब्रांड में भारतीय उपभोक्ताओं के विश्वास से मजबूत, गोदरेज कैपिटल अपने सहयोगी नेटवर्क का महत्वपर्ण विस्ताह कर अपने निर्माण प्लेटफॉर्म पर बडी पहल कर रही है। डीबीएस बैंक इंडिया, बीजा, अमेजन और अन्य उद्योग में दिग्गजो के साथ साजेदारी, एमएसएमई मालिको को आगे बढने का अवसर प्रदान करने के लिए गोदरेज कैपिटल की प्रतिबध्धता को रेखाकित करती है। ये सहयोग एमएसएमई को सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किए गए है, जो उनकी व्यावसायिक यात्रा के दौरान विभिन्न किस्म की मूल्यवर्धित सेवाएं और व्यापक समर्थन प्रदान करते है। अपनी प्रतिबध्धता के प्रमाण के तौर पर,निर्माण ने भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र के गतिशील परिद्रश्य में एमएसएमई के विकास में सक्रिय रुप से योगदान करने की द्रष्टि के अनुरुप 13 से अधिक भागीदारो को शामिल करने के लिए अपने सहयोगी मोडल का विस्तार किया है। मंच का लक्ष्य है एमएसएमई के लि तीन महत्वपूर्ण क्षे6ो में विकास को बढावा देना। ग्राहको की संख्या में बढोतरी, संचालन को सुव्यवस्थित करना, कर्मचारी की उत्पादकता में बढोतरी। इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए गोदरेज कैपिटल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी, मनीष शाह ने कहा हमें निर्माण के माध्यम से एमएसएमई को आगे बढने में मदद करने की हमारी प्रतिबध्धता को मजबूत करते हुए अपने साझेदार परितंत्र का विस्तार कर खुशी हो रही है हमारा लक्ष्य है उत्प्रेकर बनना और एमएसएमई को व्यवसाय को बढाने की उनकी यात्रा का अंग बनकर रुण देने के अलावा भी अन्य सहायता प्रदान करना। गोदरेज समूह के राष्ट्र निर्माण संबंधी विचार के अनुरुप हम खुद को समर्थन के रुप में देखते है और हमारा द्रढ विश्वास है कि सामूहिक प्रतिबध्धता और हमारे भागीदारो द्वारा प्रदान की गई सेवाओ के साथ हम एक बदलाव ला सकते है और भारत को 5 ट्रिलियन डोलर की अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान दे सकते है।

समलैंगिक संबंध बने नाबालिग लड़के की हत्या की वजह, दो आरोपी गिरफ्तार

जामनगर (ईएमएस) शहर के मोहननगर आवास से नाबालिग लड़के का अपहरण और उसकी हत्या के मामले में चौंका देनेवाला खुलासा हुआ है। समलैंगिक संबंधों के कारण नाबालिग लड़के के पार्टनर ने ही उसका अपहरण किया और बाद में उसे मौत के घाट उतार दिया। नाबालिग लड़के के अन्य युवकों से बढ़ते संबंध पार्टनर बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है और इसी वजह से उसकी हत्या कर दी। जामनगर के मोहननगर आवास से एक 16 वर्षीय किशोर का उस वक्त अपहरण कर लिया गया था जब वह स्कूल जा रहा था। पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मोहननगर आवास के आसपास लगे सीसीटीवी फूटेज खंगाले और अपहरणकारों को पकड़ने की कवायद तेज कर दी। दूसरी ओर ठेबा के निकट से किशोर का शव बरामद होने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी। जांच में पता चला कि मृतक किशोर के 22 वर्षीय युवक के साथ समलैंगिक संबंध थे। किशोर के अन्य युवकों के साथ बढ़ती नजदीकियां पार्टनर बर्दाश्त नहीं कर पा रहा था। इस वजह से उसने किशोर की हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या करने वाले 22 वर्षीय युवक और उसके 19 वर्षीय दोस्त को भी गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है।

वीजीजीएस 2024: 5 दिसंबर को मुख्यमंत्री करेंगे 'एक्सपोर्टर्स कॉन्फ्रेन्स' को संबोधित

- केंद्र और राज्य सरकार के कई अधिकारी कॉन्फ्रेंस में लेंगे हिस्सा

गांधीनगर (ईएमएस) 10वें वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) 2024 से पहले 5 दिसंबर को अहमदाबाद में गुजरात सरकार ''एक्सपोर्टएक्सेलरेटः विकसित भारत 2047 के लिए भारत की निर्यात क्रांति'' विषय पर एक्पोरटर्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन करने जा रही है। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, गुजरात सरकार के उद्योग (एमएसएमई), नागरिक उड्डयन, श्रम और रोजगार मंत्री बलवंतसिंह राजपूत, उद्योग राज्य मंत्री हर्ष संघवी, एमएसएमई राज्य मंत्री जगदीशभाई पांचाल उपस्थित रहेंगे। साथ ही, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी गण और निर्यात क्षेत्र से जुड़े प्रमुख गणमान्य जनों की भी इस कार्यक्रम में उपस्थिति रहेगी। इस कार्यक्रम की शुरुआत रसना इंटरनेशनल के ग्रुप चेयरमैन पिरुज खंबाटा के स्वागत संबोधन से होगी। इसके बाद निर्यात क्षेत्र पर एक ऑडियो-विज़ुअल फिल्म दिखाई जाएगी। इस फिल्म के बाद टाटा केमिकल्स लिमिटेड में ग्लोबल बिजनेस केमिकल्स के एग्ज़क्यूटिव डायरेक्टर और हेड ज़रीर लंगराना और नीति आयोग के व्यापार और वाणिज्य वरिष्ठ सलाहकार संजीत सिंह (आईआरएस) अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। और अंत में, सीआईआई गुजरात स्टेट काउंसिल के चेयरमैन और हिताची पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक दर्शन शाह धन्यवाद संबोधन प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम के अगले भाग में, डिजिटल ट्रेडः निर्बाध और सीमा-मुक्त व्यापार के लिए प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाएँ विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। केपीएमजी इंडिया के टेक्नोलॉजी एडवाइजरी-डायरेक्टर चिंतन मेहता, अनुपम रसायन इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर आनंद देसाई, एनटीटी ग्लोबल डेटा सेंटर के सीनियर डायरेक्टर संदीप दांडेकर, फेडरेशन ऑफ इंडिया एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइज़ेशन के डायरेक्टर जनरल और सीईओ अजय सहाय, पीएच.डी. फेलो और नीति आयोग में व्यापार, वाणिज्य, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और स्ट्रैट्रीजिक इकोनॉमिक डायलॉग के पूर्व प्रमुख सलाहकार डॉ. बदरी नारायण और अरविंद लिमिटेड के एग्ज़क्यूटिव डायरेक्टर कुलिन लालभाई इस चर्चा में हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम का समापन वीरेंद्र सिंह, आईटीएस, एडिशनल डीजीएफटी, विदेश व्यापार महानिदेशालय, गुजरात; आईडीबीआई बैंक के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर सुरेश खटनहार; और एसआईडीबीआई बैंक के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर सुदत्त मंडल द्वारा ''एक्सपोर्ट फाइनेंसिंग ऑपशन्स फॉर माइक्रो, स्माल एंड इन्टरप्राइजेजः नेविगेटिंग द लैंडस्केप'' पर प्रेज़ेन्टेशन्स देने के साथ होगा। इस आयोजन में 'विकसित भारत 2047' के लिए गुजरात के एक्पोर्ट्स रोडमैप पर विचार-विमर्श करने और भविष्य की योजना बनाने के लिए उद्योग जगत के कई प्रसिद्ध राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय अग्रणी जन भी हिस्सा लेंगे।

मलेशिया जाने के इच्छुक यात्रियों के लिए बड़ी खबर, अहमदाबाद से सीधी विमान सेवा शुरू

अहमदाबाद (ईएमएस) मलेशिया जाने के इच्छुक गुजरातियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। अब उन्हें मलेशिया जाने के लिए मुंबई नहीं जाना पड़ेगा। अहमदाबाद एयरपोर्ट से मलेशिया के बीच सीधी हवाई सेवा का प्रारंभ हो गया है। पिछले महीने पंजाब के अमृतसर और केरल के त्रिवेन्द्रम से मलेशिया के बीच हवाई सेवा शुरू हो चुकी है। अब गुजरात के अहमदाबाद से मलेशिया के बीच सीधी हवाई सेवा का प्रारभ हो गया है। मलेशिया के कुआलालंपुर से पहली फ्लाइट ने बीती रात अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। रात 9.40 बजे पहुंची इस फ्लाइट में सवार यात्रियों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। एक घंटे के बाद फ्लाइट एमएच107 रात 10.40 बजे कुआलालंपुर के लिए रवाना हो गई। मलेशिया एयरलाइंस अहमदाबाद से सीधी हवाई सेवा के साथ देश के 9 महत्वपूर्ण एयरपोर्ट से भारत के लिए साप्ताहिक 65 उड़ानों का संचालन करेगी।

एसएआईसी मोटर औरजेएसडब्ल्यु ग्रुप ने एक संयुक्त उद्यम की धोषणा की इस का मकसद हरित गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित करना और विकास में तेजी लाना है

(प्रतिनिधि)वडोदरा.दि.2

एसएआईसी मोटरने जेएसडब्ल्यु समूह के साथ रणनीतिक संयुक्त उद्यम में प्रवेश किया है। एसएआईसी एक फॉर्च्युन 500 कंपनी है इस का वार्षिक राजस्व लगभग 110 बिलियन अमेरिकी डॉलर है और यह 100 से अधिक देशो में कार्यरत है। जबकि जेएसडब्ल्यु अमेरिका के साथ भारत के अग्रणी वैश्विक व्यापाक समूहो में से एक है। यह विविध व्यवसायों से 23 बिलियन डॉलर का राजस्व हासिल कर रही है। लंदन में एमजी कार्यालय में एसएआसिी के अध्यक्ष वांग जियाओकिउ और जेएसडब्ल्यु समूह के पार्थ जिंदल द्वारा शेयर धारक समझोदे और शेयर ख़रीद और शेयर सदस्यता समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस का मकसद भारत में एमजी मोटर के परिवर्तन और विकास में तेजी लाना है। एसएआईसी मोटर और जेएसडब्ल्यु ग्रुप ओटोमोबाइल नई तकनीक के क्षेत्रे में संसाधनो को एक मंच पर लाकर राणनीतिक तालमेल बनाएंगे. यह ज्वाइंटवेंचर कई नई पहल भी करेगा। इन में स्थानीय सोर्सिंग को बढाना, चार्जिंग के बुनियादी ढांचे में सुधार, उत्पादन क्षमता का विस्तार और हरित गतिशीलता पर ध्यान देने के साथ साथ वाहनो की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करना शामिल है। समझौते के अनुसार जेएसडब्ल्यु की इस भारतीय संयुक्त उद्यम में 35 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी एसएआईसी भारतीय उपभोक्ताओं पर फोकस करता रहेगा इसके साथ यह असाधारण गतिशीलता आर समाधान प्रदान करने के लिए यह इस वेंचर का उन्नत प्रौद्योगिकी प्रदान करता है। एसएआईसी मोटर के अध्यक्ष वांग जियाओकिउ के अनुसार ओटोमोबालि व्यवसाय एक वैश्विक उद्योग है, और किसी भी अन्य समान उद्योग कि तरह इसके स्वस्थ्य विकास के लिए वहुंच और सहयोग महत्वपूर्ण है एसएआईसी ने हमेशा जीत जीत सहयोग के द्रष्टिकोण का पालन किया है हम दोनो साजेदार अपनी मूल क्षमताओ में लगातार सुधार करते हुए और अपने उत्पादन और बिक्री के पैमाने का विस्तार करते हुए भारत के बढते ओटोमोटिव बाजार में उपभोक्ताओ के ळिए मिलकर काम करेगें। हम हरित स्मार्ट उत्पादो और सेवाएं प्रदान करने के लिए और बाजार पर कब्जा करने के लिए बेहतरीन इनोवेशन लेकर आएंगे। अपने उत्पादों के ब्रांड प्रभाव और बाजार हिस्सेदारी का लगातार विस्तार और भारत में एमजी के लिए बडी सफलता हासिल करना ही हमारा लक्ष्य है।

पश्चिम रेलवे

प्रमुख पुलों का निर्माण एवं विभिन्न अन्य कार्य

उप. मुख्य अभियंता (निर्माण) III, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा - 390004 ई-निविदा संख्या Dy.CE/C/IV/BRC/CTD-DHAR/125 आमंत्रित करता है। कार्य का नामः ढेर/खुली नींव पर प्रमुख पुलों का निर्माण, आरसीसी उप संरचना और पीएससी एसएलएबी, कम्पोजिट स्टील गर्डर और ओपन वेब गर्डर से युक्त सुपर संरचना के साथ-साथ रेलवे कार्यशाला से कार्य स्थलों और असेंबली तक स्टील गर्डर घटक का परिवहन और लॉन्चिंग। सीटीडी-डीएचएआर के संबंध में टांडा रोड से जमनिया खंड के बीच उप संरचना पर भी यही बात लागू है। कार्य की अनुमानित लागतः रु.19406.46 लाख। ईएमडीः रु.98,53,300/-. बोली लगाने के लिए ऑनलाइन निविदा की उपलब्धताः 07/12/2023 से 21/12/2023 15.00 बजे तक। खुलने की तिथि और समयः 21/12/2023 15.30 बजे। निविदा दस्तावेज़ की लागत (गैर-वापसी योग्य), ईएमडी, पात्रता मानदंड, कार्य की समान प्रकृति, विस्तृत निविदा शर्तों सहित विस्तृत सूचना के संबंध में, कृपया www.ireps.gov.in पर जाएं। मैन्युअल प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। 0910

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96